केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचना है तो भारतीय बस्ती दैनिक वेब www.bhartiyabasti.com और उसका छपा संस्करण सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क-bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये। विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम सम्पर्क
मो0 9336715406
8400925463

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :49 अंक 110 गुरूवार 12 नवम्बर 2026 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

गणेश, लक्ष्मी प्रतिमाओं का विर्सजन



–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। बुधवार को गणेश–लक्ष्मी प्रतिमाओं का आस्था के साथ जनपद के अनेक प्रमुख स्थानों से निकटवर्ती पवित्र नदियों में विर्सजन किया गया। नगरपालिका और नगर पंचायतों, पुलिस प्रशासन द्वारा सुरक्षा और प्रकाश व्यवस्था के प्रबंध किये गये थे। श्रद्धालु ढोल–नगाड़ों के साथ प्रतिमाओं को नदी के घाट तक ले गए। श्रद्धालु रास्ते में नाचते–गाते और जयकारे लगाते हुए देर शाम घाट पहुंचे। श्रद्धालुओं ने पूजा–अर्चना के बाद प्रतिमाओं को नदी में विसर्जित किया। उन्होंने अगले साल फिर आने की कामना के साथ मां लक्ष्मी और गणपति बप्पा को विदाई दी।

प्रेमिका के घर के सामने गोली मारकर जान दिया



–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। बॉयफ्रेंड ने गर्लफ्रेंड के घर के बाहर खुद को गोली मारकर जान दे दी। दोनों का रिश्ता पहले लड़की के घरवालों ने तय किया था। बाद में शादी तोड़कर लड़की का रिश्ता कहीं और तय कर दिया। इससे 30 साल का शिवकुमार नाराज था।बुधवार सुबह बजे शिवकुमार लड़की से मिलने पहुंचा, लेकिन परिवार ने उसे घर के बाहर ही रोक लिया। उसने कहा– मिलने नहीं दोगे तो आत्महत्या कर लूंगा। लड़की वाले नहीं माने तो उसने जेब से तमंचा निकाल लिया और कनपटी पर सटाकर टहलने लगा। यह देखकर आसपास के लोग जुट गए। लड़की के घरवाले और ग्रामीण उसे समझाते रहे, लेकिन वह नहीं माना। वह कहने लगा– खुद को गोली मारकर सबको फंसा दूंगा। फिल्मी अंदाज में 5 मिनट तक टहलने के बाद उसने तमंचा सीने पर रखकर गोली मार ली। गोली लगते ही खून से लथपथ होकर जमीन पर गिर पड़ा। घटना जिला मुख्यालय से 30 किमी दूर हरैया के बसेवा राय गांव की है। घटना का पूरा वीडियो भी सामने आया है। लड़की शिवकुमार की सगी बुआ की बेटी है। सूचना पर पहुंची पुलिस और फॉरेंसिक टीम ने मौके से सबूत जुटाए।

मण्डप से उठा ले जाने की धमकी मामले में दो पर मुकदमा

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। रुधौली थानाक्षेत्र के तिघरी गांव में शादी को लेकर धमकी देने का मामला सामने आया है। आरोप है कि पड़ोस के गांव के दो लोग आए। घर पर आकर अपशब्द कहते हुए जान से मारने की धमकी दे रहे हैं। साथ ही बेटी की शादी नहीं होने देने व मंडप से उठा ले जाने की धमकी दी जा रही है। इस मामले में थाना रुधौली में मुकदमा दर्ज किया गया है। इसी थानाक्षेत्र के रहने वाले व्यक्ति ने तहरीर देकर बताया है कि 21 नवंबर 2026 को उनकी बेटी की शादी होनी है। आरोप है कि पड़ोस के गांव के रहने वाले रामजी और बब्लू, आए दिन उनके घर पर आकर अपशब्द कहते हैं और जान से मारने की धमकी देते हैं। लड़की की शादी न होने देने और मंडप से उठा ले जाने तक की धमकी दी जा रही है। साथ ही लक्ष्मी पूजन के कार्यक्रम के दौरान गाइक पर अनाउंसमेंट कर अपशब्द कहने का भी आरोप लगाया है।

नोएडा–ग्रेटर नोएडा के बीच मेट्रो का होगा विस्तार:2,390 करोड़ रुपये की मंजूरी

नई दिल्ली (आभा)। केंद्रीय कैबिनेट ने फैसला लिया है कि राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली से सटे नोएडा और ग्रेटर नोएडा के बीच मेट्रो लाइन का विस्तार किया जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुए केंद्रीय कैबिनेट की (बुधवार, 11 नवंबर को) हुई बैठक में इसका फैसला लिया गया है। इसके अलावा कैबिनेट ने 'युगे युगीन भारत' संग्रहालय को भी मंजूरी दे दी है। यह दुनिया का सबसे बड़ा संग्रहालय होगा, जो नॉर्थ और साउथ ब्लॉक में भारत की सभ्यतागत यात्रा को प्रदर्शित करेगा।

कैबिनेट की बैठक के बाद केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मीटिंग में लिए गए निर्णय के बारे में बताते हुए कहा कि केंद्रीय मंत्रिमंडल ने नोएडा के सेक्टर 51 से ग्रेटर नोएडा के सेक्टर चार तक 2,390 करोड़ रुपये की मेट्रो रेल परियोजना को मंजूरी दी है। उन्होंने यह भी बताया कि मंत्रिमंडल ने नॉर्थ और साउथ ब्लॉक की इमारतों का अनुकूल उपयोग करते हुए 'युगे युगीन भारत संग्रहालय के विकास के लिए 3,230 करोड़ रुपये की मंजूरी दी है।

वैष्णव ने बताया कि इनके अलावा केंद्रीय मंत्रिमंडल ने रबी सत्र के लिए 62,370 करोड़ रुपये की उर्वरक सब्सिडी को मंजूरी दी है, जबकि मुद्रा योजना के तहत सूक्ष्म इकाइयों



के लिए ऋण गारंटी कोष को पांच साल तक जारी रखने को भी मंजूरी दी गई है। उन्होंने बताया कि केंद्रीय मंत्रिमंडल ने श्स्टैंड–अप इंडियाश योजना के लिए भी ऋण गारंटी कोष पांच साल और जारी रखने के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई है। उन्होंने बताया कि बैठक में कुल पांच फैसले लिए गए।

केंद्रीय मंत्री के मुताबिक, नोएडा और ग्रेटर नोएडा वेस्ट को दिल्ली मेट्रो नेटवर्क से सीधे जोड़ने के लिए नोएडा मेट्रो की एक्वा लाइन के विस्तार को मंजूरी दी गई है। इस परियोजना के तहत नोएडा सेक्टर–51 से ग्रेटर नोएडा सेक्टर–4 तक 8.5 किलोमीटर लंबा एलिवेटेड मेट्रो कॉरिडोर बनाया जाएगा। इसमें पांच नए मेट्रो स्टेशन होंगे और नोएडा सेक्टर–61 पर दिल्ली मेट्रो की ब्लू लाइन से इंटरचेंज की सुविधा मिलेगी। उन्होंने बया कि इस परियोजना पर अनुमानित 2,390 करोड़ रुपये खर्च होंगे और इसे चार वर्षों में पूरा करने का लक्ष्य है।

नोएडा–ग्रेटर नोएडा वेस्ट को कनेक्टिविटीरू एक्वा लाइन के विस्तार से नोएडा और ग्रेटर नोएडा वेस्ट सीधे दिल्ली मेट्रो नेटवर्क से जुड़ जाएंगे। 8.5 किलोमीटर लंबा कॉरिडोरू पूरी तरह एलिवेटेड इस मेट्रो कॉरिडोर पर पांच नए स्टेशन बनाए जाएंगे। दिल्ली मेट्रो से इंटरचेंजरू नोएडा सेक्टर–61 स्टेशन पर ब्लू लाइन से जुड़ने की सुविधा मिलेगी।

पूर्व सांसद अरविन्द कुमार चौधरी भाजपा में शामिल



–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। बहुजन समाज पार्टी के पूर्व सांसद अरविंद कुमार चौधरी बुधवार को भारतीय जनता पार्टी में शामिल हो गए। लखनऊ में आयोजित कार्यक्रम में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने उन्हें पार्टी की सदस्यता दिलाई।

इस दौरान पूर्व प्रदेश अध्यक्ष और कैबिनेट मंत्री स्वतंत्र देव सिंह, प्रदेश सरकार के मंत्री दया शंकर सिंह समेत पार्टी के अन्य नेता मौजूद रहे।

अरविंद कुमार चौधरी का परिवार लंबे समय से बस्ती की राजनीति में सक्रिय है। वह बस्ती से समाजवादी पार्टी के सांसद राम प्रसाद चौधरी के भतीजे हैं। उनके भाजपा में शामिल होने को जिले की राजनीति के लिहाज से अहम घटनाक्रम माना जा रहा है। अरविंद कुमार चौधरी ने 2009 के लोकसभा चुनाव में बसपा के टिकट पर बस्ती सीट से चुनाव लड़ा था और जीत हासिल कर 15वीं लोकसभा के सदस्य बने थे। उनका संसदीय कार्यकाल 2009 से 2014 तक रहा। लोकसभा में उनकी उपस्थिति 96 प्रतिशत दर्ज की गई थी। अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने क्षेत्र से जुड़े कई मुद्दे उठाए थे।

कनिष्ठ सहायकों को मिला नियुक्ति पत्र



–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। 14 नवनियुक्त कनिष्ठ सहायकों को बुधवार को नियुक्ति पत्र मिले। लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में हुए कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राजस्व विभाग में चयनित 1,146 कनिष्ठ सहायकों को नियुक्ति पत्र दिए।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने प्रदेश के 4,300 लाभार्थियों को अलग–अलग योजनाओं के तहत कुल 215 करोड़ रुपये की सहायता राशि भी दी। इसी क्रम में बस्ती के 195 लाभार्थियों के बैंक खातों में ऑनलाइन 9 करोड़ 67 लाख 50 हजार रुपये भेजे गए।

बस्ती में एनआईसी सभागार में छह लाभार्थियों को प्रतीकात्मक चेक दिए गए। इनमें आशा, राजकुमारी, मंजू यादव, ज्ञानमती, निधि दुबे और शगीता देवी शामिल थीं।

गो सेवा उपाध्यक्ष महेश शुक्ला, जिला पंचायत अध्यक्ष संजय चौधरी, विधायक हरैया के प्रतिनिधि सरोज मिश्रा, विधायक कप्तानगंज के प्रतिनिधि गुलाब चन्द्र सोनकर और एमएलसी प्रतिनिधि हरीश सिंह ने संयुक्त रूप से चेक सौंपे।

कार्यक्रम में अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) ज्ञान चन्द्र गुप्ता, मुख्य राजस्व अधिकारी कीर्ति प्रकाश भारती, अपर सांख्यिकीय अधिकारी अजय कुमार चौधरी और नायब तहसीलदार बस्ती सदर समेत संबंधित विभागों के अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे।

कलम पूजा में नई पीढ़ी को अपनी संस्कृति से जोड़ने का संकल्प लिया

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

रुधौली (बस्ती)। कायस्थ परिवार मुड़ियार की ओर से नेताजी सुभाषचंद्र बोस वार्ड, रुधौली में भगवान श्री चित्रगुप्त जी महाराज की सामूहिक पूजा एवं कलम पूजा का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन बस्ती विकास समिति के संस्थापक अध्यक्ष राहुल श्रीवास्तव के निवास पर श्रद्धा, भक्ति एवं हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर कायस्थ समाज के लोगों ने भगवान श्री चित्रगुप्त जी की विधि–विधान से पूजा–अर्चना कर समाज की सुख–समृद्धि, एकता एवं कल्याण की कामना की।

कार्यक्रम में सामूहिक कलम पूजा के माध्यम से ज्ञान, शिक्षा, लेखनी और संस्कारों के महत्व को रेखांकित किया गया। पूजा के दौरान कायस्थ समाज के लोगों ने अपनी गौरवशाली परंपराओं को आगे बढ़ाने तथा नई पीढ़ी को अपनी संस्कृति से जोड़ने का संकल्प लिया।

इस अवसर पर बस्ती विकास समिति के संस्थापक अध्यक्ष राहुल श्रीवास्तव ने कहा कि भगवान श्री चित्रगुप्त जी महाराज हमारी आस्था, ज्ञान और लेखनी के आराध्य हैं। सामूहिक पूजा का उद्देश्य केवल धार्मिक परंपरा का निर्वहन करना नहीं, बल्कि समाज के लोगों को एक सूत्र में पिरोना और आपसी प्रेम, सद्भाव एवं भाईचारे को मजबूत करना है। हमें अपनी सांस्कृतिक विरासत को अगली पीढ़ी तक पहुंचाने के लिए निरंतर प्रयास करना चाहिए।

डॉ. नवीन श्रीवास्तव ने कहा कि भगवान श्री चित्रगुप्त जी की पूजा एवं कलम पूजा कायस्थ समाज की प्राचीन और गौरवशाली परंपरा है। कलम ज्ञान, शिक्षा, विवेक और सकारात्मक विचारों का प्रतीक है। हमें भगवान चित्रगुप्त जी के आदर्शों को अपने जीवन में आत्मसात करते हुए सत्य और न्याय के मार्ग पर चलना चाहिए।

धर्मेन्द्र श्रीवास्तव ने कहा कि ऐसे सामूहिक धार्मिक आयोजन समाज को एकजुट करने का महत्वपूर्ण माध्यम हैं। जब समाज के लोग एक साथ बैठते हैं तो आपसी प्रेम और सहयोग की भावना मजबूत होती है। हमें अपनी परंपराओं और संस्कारों को जीवित रखने के लिए ऐसे आयोजन निरंतर करते रहना चाहिए।

दिनेश श्रीवास्तव ने कहा कि भगवान श्री चित्रगुप्त जी महाराज की आराधना हमें अपने कर्मों के प्रति सजग रहने और सदैव अच्छे कार्य करने की प्रेरणा देती है। सामूहिक कलम पूजा हमारी सांस्कृतिक पहचान है, जिसे पूरे उत्साह और श्रद्धा के साथ आगे बढ़ाना हम सभी का दायित्व है।

रितेश श्रीवास्तव हीरू ने कहा कि कायस्थ समाज सदैव शिक्षा, ज्ञान, संस्कार और सामाजिक समरसता के लिए जाना जाता रहा है। ऐसे आयोजनों से समाज में एकता और संगठन की भावना मजबूत होती है। हम सभी को मिलकर अपनी संस्कृति और परंपराओं का संरक्षण करना चाहिए।कार्यक्रम में उपस्थित कायस्थ बंधुओं ने एक–दूसरे को पूजा की शुभकामनाएं दीं तथा प्रसाद ग्रहण किया। आयोजन भक्तिमय एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ।

इस दौरान राकेश श्रीवास्तव, अभय श्रीवास्तव, अशोक श्रीवास्तव, अजीत श्रीवास्तव, दीपक श्रीवास्तव, अनमोल श्रीवास्तव, मुकेश श्रीवास्तव, स्वपनिल श्रीवास्तव, दिक्षान्त नवीन, पवन वर्मा सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

26 जनवरी तक हर 5 वें दिन होगा नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम– योगी



लखनऊ (आभा)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को बड़ा ऐलान करते हुए कहा कि प्रदेश में युवाओं को सरकारी नौकरी देने का अभियान 26 जनवरी तक लगातार जारी रहेगा। हर महीने औसतन हर पांचवें दिन एक बड़ा नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम होगा और यह 26 जनवरी तक अनवरत चलता रहेगा। योगी ने ये बातें नियुक्त पत्र वितरण समारोह में कहीं। योगी ने उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग द्वारा राजस्व विभाग के लिए नवचयनित 1,146 कनिष्ठ सहायकों को नियुक्ति पत्र वितरित किए । इसके साथ ही उन्होंने मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना के अंतर्गत 4,300 किसान परिवारों के खातों में 215 करोड़ की सहायता राशि ऑनलाइन ट्रांसफर की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार की नीयत साफ, नीति स्पष्ट और भर्ती आयोगों एवं बोर्डों की कार्यप्रणाली ईमानदार हो तो युवाओं को अपनी प्रतिभा के अनुरूप अवसर अपने ही राज्य में मिलता है। समाजवादी पार्टी और कांग्रेस की अराजकता, भ्रष्टाचार, भाई–भतीजावाद और लूटतंत्र ने उत्तर प्रदेश के युवाओं के सामने पहचान का संकट खड़ा किया था। सीएम ने नवनियुक्त कनिष्ठ सहायकों से अपील की कि वे प्रशिक्षण पूरा कर अपने–अपने पटल पर कार्यभार संभालने के बाद दो बातों का विशेष ध्यान रखे, हर नागरिक के प्रति संवेदना और जीवन में सत्यनिष्ठा का भाव। सरकार ने उन्हें पारदर्शी व्यवस्था में अवसर दिया है, इसलिए उनसे भी अपेक्षा है कि वे आम नागरिक के प्रति ईमानदारी, संवेदनशीलता और निष्ठा के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करें।

मुख्यमंत्री योगी ने नियुक्ति पत्र प्राप्त करने वाले युवाओं से सीधा संवाद करते हुए पूछा कि चयन प्रक्रिया में किसी को सिफारिश की आवश्यकता पड़ी या किसी ने पैसे के लेनदेन की बात की? किसी अनजान अथवा परिचित व्यक्ति का फोन आया? सत्यापन की कार्रवाई में कोई परेशानी हुई? उन्होंने कहा कि पहले प्रतिभा को उसके अनुरूप काम नहीं मिलता था, इसलिए यूपी का युवा पलायन करता था। अपनी मेहनत का लाभ वह देश–दुनिया को देता था, लेकिन उत्तर प्रदेश विपन्न रहता था, क्योंकि यहां ईमानदारी से नौकरी नहीं मिलती थी और चयन में भेदभाव होता था। 2017 से पहले बिना सिफारिश और बिना लेनदेन के नियुक्ति संभव नहीं थी। सभी भर्ती आयोग और बोर्ड बंद हो गए हैं। प्रदेश में सैफई सिंडिकेट काम करता था।

मुख्यमंत्री ने फिल्म 'मुन्ना भाई एमबीबीएस' का जिक्र करते हुए कहा कि 2017 के पहले ऐसे ही मुन्ना भाई शासन में भी बैठे हुए थे। परीक्षा कोई देता था और नियुक्ति पत्र लेकर कोई और जाता था। परीक्षा देने वाले और अधिक प्रतिभाशाली अभ्यर्थी के स्थान पर किसी दूसरे का नियुक्ति पत्र लेकर चले जाना युवाओं के साथ अन्याय था। युवा शासन से शिकायत करते थे, लेकिन वही शासन इस व्यवस्था को चला रहा था। फिर न्यायालय जाना पड़ता था और न्यायालय स्टे करता था। गलत काम करने वाला पैसा लेकर विदेशी बैंकों में जमा करता था, दुनिया के देशों में संपत्ति बढ़ाता था और यूपी का युवा हर ओर से ठगा जाता था। जिसने पैसे देकर नौकरी खरीदी और जिसने मेहनत से परीक्षा की तैयारी की, दोनों ठगे जाते थे।

मुख्यमंत्री ने समाजवादी पार्टी और कांग्रेस को उत्तर प्रदेश के युवाओं के सामने पहचान का संकट खड़ा करने का जिम्मेदार ठहराया।

सीआरपीएफ दल पर बाइक सवार आतंकियों ने किया फायरिंग, तीन जवान घायल



श्रीनगर (आभा)। कश्मीर घाटी के कुलगाम जिले में आतंकवादियों ने सीआरपीएफ दल पर गोलीबारी की है। गोलीबारी में सीआरपीएफ के तीन जवान घायल हो गए हैं। घायल जवानों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। आतंकी हमला गश्त के दौरान किया गया। हमले के बाद आतंकियों ने भागने की कोशिश की। कुलगाम क्विक रिंवेक्शन टीम हमले की जगह पहुंच गई है। टीम ने पूरे इलाके को घेर लिया है।

सीआरपीएफ के अनुसार, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के दो जवान जम्मू–कश्मीर के कुलगाम जिले में एक नाके पर तैनात सुरक्षाकर्मियों पर अज्ञात मोटरसाइकिल सवार हमलावरों द्वारा की गई गोलीबारी में घायल हो गए। यह घटना बुधवार दोपहर करीब 2.15 बजे हुई जब हमलावरों ने मौके से भागने से पहले सीआरपीएफ कर्मियों पर गोलियां चलाईं। घायल जवानों को इलाज के लिए अनंतनाग जिले के एक अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया है।

कजाकिस्तान से एमबीबीएस कर लौटे डॉ. शिवांश ने एफएमजीई परीक्षा उत्तीर्ण कर बढ़ाया क्षेत्र का मान

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। विकास क्षेत्र बहादुरपुर के सेमरा चींगन गांव निवासी समाजसेवी व शिक्षक प्रमोद पाण्डेय के पुत्र डॉ. शिवांश पाण्डेय ने विदेशी चिकित्सा स्नातक परीक्षा (एफएमजीई) उत्तीर्ण कर परिवार और क्षेत्र का मान बढ़ाया है। कजाकिस्तान से एमबीबीएस की पढ़ाई पूरी करने के बाद उन्होंने अपनी मेहनत, लगन और दृढ़ संकल्प के दम पर यह सफलता हासिल की है। उनकी उपलब्धि से गांव और क्षेत्र में खुशी का माहौल है।



डॉ. शिवांश की प्रारंभिक शिक्षा केंद्रीय विद्यालय बस्ती से हुई। इसके बाद उन्होंने लखनऊ स्थित सेंट्रल एकेडमी से इंटरमीडिएट की परीक्षा उत्तीर्ण की। चिकित्सा के क्षेत्र में करियर बनाने के उद्देश्य से उन्होंने वर्ष 2021 में कजाकिस्तान की सेमेई मेडिकल यूनिवर्सिटी में प्रवेश लिया। यहां से जुलाई 2026 में एमबीबीएस की पढ़ाई पूरी की। विदेश से मेडिकल की डिग्री हासिल करने के बाद भारत में चिकित्सा कार्य करने की पात्रता प्राप्त करने के लिए आयोजित होने वाली विदेशी चिकित्सा स्नातक परीक्षा (एफएमजीई) में शामिल हुए। उन्होंने दिल्ली में महज दो महीने की तैयारी के बाद परीक्षा उत्तीर्ण कर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया।

डॉ. शिवांश की माता नीलम पाण्डेय गृहिणी हैं और ग्राम पंचायत सेमरा चींगन की प्रधान भी रह चुकी हैं। पिता प्रमोद कुमार पाण्डेय परिषदीय जूनियर हाईस्कूल में शिक्षक हैं। शिक्षकीय दायित्वों के साथ ही वह सामाजिक कार्यों में भी बढ़–चढ़कर भाग लेते हैं। शिवांश के बड़े भाई देवांकन पाण्डेय जयपुर में रहकर चार्टर्ड अकाउंटेंट की तैयारी कर रहे हैं।

डॉ. शिवांश ने अपनी सफलता का श्रेय माता–पिता के आशीर्वाद, शिक्षकों के मार्गदर्शन और निरंतर मेहनत को दिया। उन्होंने कहा कि चिकित्सा के क्षेत्र में आगे बढ़कर लोगों की सेवा करना उनका लक्ष्य है। कहा कि सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं होता। लक्ष्य स्पष्ट हो और खुद पर विश्वास हो तो कठिन से कठिन मंजिल भी हासिल की जा सकती है। विदेश में पढ़ाई के दौरान कई चुनौतियां आईं, लेकिन माता–पिता के विश्वास और अपनी मेहनत ने कभी हार नहीं मानने दी। मेरा सपना बेहतर चिकित्सक बनकर समाज की सेवा करना है।

पिता प्रमोद कुमार पाण्डेय ने कहा कि बेटे की इस उपलब्धि से पूरा परिवार गौरवान्वित है। उन्होंने कहा कि शिवांश ने कठिन परिश्रम और लगन से यह मुकाम हासिल किया है। उनकी सफलता से क्षेत्र के अन्य युवाओं को भी आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलेगी। डॉ. शिवांश की इस सफलता पर पूर्व मंत्री श्रीराम चौहान, राज्य मंत्री महेश शुक्ल, विधायक हरैया अजय सिंह, उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ जिलाध्यक्ष उदयशंकर शुक्ल, भाजपा नेता अधिवक्ता देवानंद त्रिपाठी, दिलीप पाण्डेय, वरुण पाण्डेय, रमेश चंद्र पाण्डेय, प्रमुख प्रतिनिधि कृष्ण कुमार दूबे, अमरेश पाण्डेय, गोपेश्वर त्रिपाठी, पवन जयसवाल, पंकज मिश्र, अशोक उपाध्याय, रिंकू पाठक, दुर्गा प्रसाद ओझा सहित रिश्तेदारों, शुभचिंतकों और क्षेत्रीय लोगों ने बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

छठ महापर्व की तैयारियां तेज, सजने लगे बाजार

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। लोक आस्था का पर्व छठ शुक्रवार को संकल्प व्रत से आरंभ हो जायेगा। इसको लेकर मौसमी कारोबारियों की ओर से प्रमुख चौक–चौराहों पर दुकानों को सजाया गया है। छठ पर्व को लेकर सजे बाजार में बांस निर्मित सूप–दउरा की खरीदारी शुरू हो गई है।

बाजार में सूप, छांटी टोकरी, डगरा व दउरा मंगाई गई है। लोक आस्था, पवित्रता और सूर्योपासना का चार दिवसीय महापर्व छठ शुक्रवार, 13 नवंबर को नहाय–खाय के साथ



शुरू होगा। महापर्व को लेकर घरों से लेकर बाजारों और छठ घाटों तक तैयारियां तेज हो गई हैं।

बाजारों में पूजन सामग्री, फल, सूप और दउरा की खरीदारी के लिए लोगों की भीड़ उमड़ने लगी है। शहर की मुख्य सड़कों पर भी छठ की खरीदारी को लेकर चहल–पहल बढ़ गई है। वहीं, घर–आंगन की साफ–सफाई और घाटों को स्वच्छ बनाने का काम भी शुरू हो गया है। नगर पालिका और नगर पंचायतों द्वारा तैयारियां तेज कर दी गई हैं।

घाटों पर साफ–सफाई के साथ बिजली, पानी और शौचालय की समुचित व्यवस्था की जा रही है, ताकि पूजा के दौरान श्रद्धालुओं को किसी तरह की परेशानी न हो।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"—वेडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 12 नवम्बर 2026 गुरूवार

सम्पादकीय

इजराइल में नयी सरकार

इजराइल के राष्ट्रपति इसाक हर्जोग का विपक्षी नेता गादी आइजेनकोट को अगली सरकार बनाने का न्योता देने का फैसला, 27 अक्टूबर के संसदीय चुनावों के वास्तविक जनादेश को दर्शाता है। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की लिकुड पार्टी ने जहां 27 सीटें जीतकर पहला स्थान हासिल किया, वहीं आइजेनकोट की मध्यमार्गी 'यशार' पार्टी 21 सीटों के साथ दूसरे नंबर पर रही। पूर्व सैन्य प्रमुख आइजेनकोट ने नेतन्याहू–विरोधी एजेंडे के साथ चुनाव प्रचार किया था और अब उन्होंने 120 सदस्यों वाली 'नेसेट' में 67 सांसदों का समर्थन हासिल कर लिया है। खुद आइजेनकोट के शब्दों में, इजराइल के सामने "अंधकार भरी स्थितियों यानी ऐसे हालात में पहुंचने का खतरा है जहां से वापसी मुमकिन न हो"। लेकिन अभी यह साफ नहीं है कि आइजेनकोट किस किस्म की सरकार बनाना चाहते हैं। विपक्षी दल दो गुटों में बंटे हुए हैं'क एक गुट यहूदी अगुवाई वाला है जिसमें 48 नेसेट के सदस्य (एमके) हैं, और दूसरा गुट अरब नेतृत्व वाला है जिसमें 19 नेसेट के सदस्य (एमके) हैं। अरब पार्टियों ने आइजेनकोट को सैद्धांतिक समर्थन देने की पेशकश की है ताकि नेतन्याहू के दक्षिणपंथी–धार्मिक गठबंधन को सत्ता से बाहर रखा जा सके। लेकिन यह साफ नहीं है कि वे सरकार का हिस्सा बनेंगे या फिर बाहर से समर्थन देकर आइजेनकोट को अल्पमत सरकार चलाने देंगे। एविग्डोर लिबरमैन सरीखे आइजेनकोट के कुछ यहूदी दक्षिणपंथी सहयोगी अरब पार्टियों के साथ हाथ मिलाने के खिलाफ हैं। अब आइजेनकोट ने एक मिली–जुली सरकार (यूनिटी गवर्नमेंट) बनाने का आह्वान किया है और लिकुड तथा कट्टर दक्षिणपंथी 'रिलिजियस जायोनिज्म' से भी उनके साथ जुड़ने की अपील की है।

लेकिन इजराइल के अगले नेता के सामने चुनौतियां काफी बड़ी और तात्कालिक हैं। नेतन्याहू की बेलगाम सैन्यवादी नीतियों ने इजराइल को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर और ज्यादा अलग–थलग कर दिया है, उसके सबसे अहम संरक्षक व सहयोगी अमेरिका के साथ उसके रिश्तों में तनाव पैदा किया है तथा उसके पड़ोस में मौजूद सुरक्षा संबंधी चुनौतियों को और गंभीर बना दिया है। घरेलू मोर्चे पर, धुर–दक्षिणपंथी विचारधारा के उभार ने जहां समाज को और ज्यादा ध्रुवीकृत कर दिया है, वहीं पश्चिमी किनारे (वेस्ट बैंक) में फिलिस्तीनियों के खिलाफ व्यवस्थित हिंसा फैल गई है। इन चुनौतियों के जवाब में नेतन्याहू ने और ज्यादा हिंसा को बढ़ावा दिया है, जिससे इजराइल की मुश्किलें और बढ़ गई हैं। अगर आइजेनकोट इजराइल को नामुमकिन वापसी वाले मोड़ से वापस लौटाने के प्रति वाकई गंभीर हैं, तो उन्हें तीन–सूत्रीय रणनीति अपनानी चाहिए। पहला, उन्हें अरब–यहूदी एकता वाली एक ऐसी सरकार बनानी चाहिए जिसका ध्यान देश के आंतरिक घावों को भरने और विभिन्न समुदायों के बीच पनपी दूरियों को पाटने पर हो। दूसरा, इजराइल का अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बढ़ता अलगाव और दुनिया भर में उसके खिलाफ बनती नकारात्मक राय जल्द ही उसे भारी नुकसान पहुंचा सकती है। तेल अवीव को अपनी अंतरराष्ट्रीय साख बहाल करने के लिए तुरंत कदम उठाने होंगे। तीसरा, इजराइल को शांति का रास्ता फिर से खोलना होगा। नई सरकार को अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता के जरिए फिलिस्तीनियों के साथ बातचीत शुरू करनी चाहिए, बस्तियों में रहने वालों की हिंसा पर सख्ती से लगाम लगानी चाहिए, गाजा से पीछे हटना चाहिए और दो–राष्ट्र वाले समाधान के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को फिर से दोहराना चाहिए। शांति के बगैर, इजराइल के और भी गहरे अंधेरे में डूबते जाने का खतरा बना रहेगा।

जानलेवा होता प्रदूषण

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में दीपावली की रात बहुत चिंताजनक बीती। समग्रता में प्रदूषण के आंकड़े बहुत स्पष्ट नहीं हैं, पर साल 2021 से देखें, तो दिल्ली में दीवाली के दौरान प्रदूषण का बेहद खराब स्तर दर्ज किया गया है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के रिकॉर्ड से पता चलता है कि दीपावली की रात दिल्ली के कई वायु निगरानी केंद्रों पर पीएम2.5 का स्तर 1,000 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर के करीब पहुंच गया था। पिछली दीपावली पर 39 में से 29 मौसम केंद्रों ने कम से कम एक घंटे के लिए 1,000 से ऊपर का स्तर दर्ज किया था, जिसमें एनएसआईटी द्वारका में प्रदूषण का उच्चतम स्तर 2,224 आंका गया था। इस दीपावली की रात एक बजे दिल्ली में एक्यूआई 1,760 तक पहुंच गया था। वायु गुणवत्ता मापने का काम सरकार के अलावा अनेक संगठन या संस्थाएं करती हैं, अतरू अलग–अलग आंकड़ों की चर्चा सामान्य है। असामान्य बात यह है कि ये आंकड़े बार–बार चिंता में डाल रहे हैं। क्या वायु प्रदूषण का पुख्ता हल सरकारों के पास नहीं है?

दीपावली मनाने पर कोई आपत्ति नहीं कर सकता, लेकिन इसके आसपास होने वाले प्रदूषण पर पूरी गंभीरता से विचार करना चाहिए। दिल्ली में वायु गुणवत्ता को 200 से 500 अंक छूने से रोकना एक बड़ी चुनौती है। दिल्ली पर जिस तरह का जन–दबाव है, उसके मद्देनजर यहां ज्यादा पाबंदियां लगाना उचित नहीं होगा। अंततरू सरकारों को ही अपने स्तर पर जागरूकता और सक्रियता बढ़ानी पड़ेगी। आंकड़ों से मुंह चुराने से हालात नहीं सुधरेंगे। जब मौसम विज्ञान से जुड़ी संस्थाएं कोई भी आंकड़ा छिपाने की कोशिश करती दिखती हैं, तब आम लोगों का संदेह बहुत बढ़ जाता है। बात केवल दीपोत्सव की नहीं है, उसके बिना भी दिल्ली में प्रदूषण एक बड़ी समस्या है। दिल्ली ही क्यों? दीपावली पर पटना और लखनऊ में भी एक समय एक्यूआई 1,000 अंक पार कर गया था, तो रांची में 700 पार पहुंच गया था। ऐसे में, दिल्ली में वायु प्रदूषण के चरम समय में एक्यूआई का 1,760 आंकों तक पहुंचना कतई चकित नहीं करता है। समस्या हमारे चलते बढ़ रही है और उसका समाधान भी हमें ही करना है।

अचरज नहीं, सर्वोच्च न्यायालय ने दिल्ली–एनसीआर में वाहनों से होने वाले प्रदूषण को रोकने के लिए तत्काल हस्तक्षेप का आह्वान किया है। न्यायालय ने उचित ही दिल्ली तथा तीन पड़ोसी राज्यों से जवाब–तलब भी किया है। इन राज्यों की सरकारों से पूछा गया है कि वे वाहनों के प्रवेश और आवागमन को कैसे नियंत्रित कर रही हैं? उत्सर्जन मानकों को कैसे लागू कर रही हैं और प्रदूषण फैलाने वाले वाहनों को सड़कों से कैसे दूर रख रहे हैं? यहां भूलना नहीं चाहिए, प्रदूषण में वाहनों का योगदान 50 प्रतिशत से ज्यादा माना जाता है। निश्चित रूप से वाहनों पर आंशिक नियंत्रण आवश्यक है। रविवार को जारी आदेश में प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची व वी वी मोहना की पीठ ने दिल्ली नगर निगम (एमसीडी), दिल्ली सरकार, दिल्ली पुलिस के यातायात विभाग और हरियाणा, राजस्थान व उत्तर प्रदेश सरकारों से जवाब मांगा है। वाहनों पर नियंत्रण के हर मुमकिन उपाय आजमाने की जरूरत है। शहरों में उड़ने वाली धूल लगभग 35 प्रतिशत प्रदूषण के लिए जिम्मेदार है। हकीकत यह है कि यहां प्रदूषण में पराली या दीपावली का योगदान सबसे कम है। अतः वाहनों और धूल से होने वाली समस्याओं का समाधान सबसे पहले करना चाहिए। फौरी उपायों से आगे बढ़कर पुख्ता इंतजाम करने पड़ेंगे।

पण्डाल ढह जाते हैं लेकिन आदर्श नहीं!



—अखिल कुमार यादव—



शादी–ब्याह के आयोजन कुछ दिनों के होते हैं। पंडाल सजते हैं, रोशनी जगमगाती है, पकवानों की खुशबू चारों तरफ फैलती है, मेहमान आते हैं और फिर अपने–अपने घर लौट जाते हैं। कुछ दिनों बाद आयोजन की चमक फीकी पड़ जाती है और उसकी चर्चा भी धीरे–धीरे समाप्त हो जाती है। लेकिन राजनीति में कुछ ऐसे प्रसंग होते हैं, जो किसी समारोह की खबर बनकर नहीं रह जाते, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए राजनीतिक चरित्र, नैतिकता और सार्वजनिक जीवन के आदर्शों का उदाहरण बन जाते हैं। बिहार की राजनीति में जननायक कर्पूरी ठाकुर की बेटी की शादी और मोकामा के विधायक अनंत सिंह की बेटी शिवांगी की शादी को लेकर हो रही चर्चा इसी अंतर को समझने का अवसर देती है। एक तरफ बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री, सामाजिक न्याय के पुरोधा और भारत रत्न जननायक कर्पूरी ठाकुर हैं, जिनकी बेटी की शादी का प्रसंग दशकों बाद भी उनकी सादगी और सार्वजनिक जीवन की मर्यादा के उदाहरण के रूप में सुनाया जाता है। दूसरी तरफ मोकामा के विधायक अनंत सिंह की बेटी की शादी है, जिसकी भव्य तैयारियों, बड़े पंडाल, हजारों–लाखों मेहमानों के लिए भोजन और विभिन्न आकर्षणों की चर्चाएं सुर्खियां बटोर रही हैं। मीडिया में इस आयोजन के लिए लगभग दस बीघे जमीन पर व्यवस्था और करीब चार लाख लोगों के भोजन की तैयारी जैसी बातें सामने आ रही हैं। दोनों प्रसंगों को एक साथ रखकर देखने पर सवाल केवल दो शादियों की भव्यता या सादगी का नहीं रह जाता, बल्कि यह हमारी राजनीतिक संस्कृति और सार्वजनिक जीवन के मूल्यों से जुड़ जाता है।

सबसे पहले कर्पूरी ठाकुर के उस प्रसंग को समझना जरूरी है, जिसने उनकी राजनीतिक पहचान को और मजबूत किया। जब वे बिहार के मुख्यमंत्री थे, तब उनकी बेटी की शादी तय हुई। बेटी के लिए लड़का देखने रांची जाना था। मुख्यमंत्री होने के नाते उनके पास सरकारी गाड़ी, सरकारी विमान और पूरा प्रशासनिक तंत्र उपलब्ध था। वे चाहते तो अपनी राजनीतिक और प्रशासनिक हैसियत का इस्तेमाल कर सकते थे, लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया। बताया जाता है कि वे किराये की टैक्सी से रांची गए। बेटी का विवाह भी अपने गांव पितौंझिया में सामान्य तरीके से संपन्न कराया। उन्होंने सरकारी पद की प्रतिष्ठा को निजी पारिवारिक आयोजन का हिस्सा नहीं बनने दिया। यहां तक कि सरकारी विमान के निजी इस्तेमाल को लेकर भी उन्होंने सख्ती बरती, ताकि उनकी बेटी की शादी सत्ता और सरकारी सुविधाओं के प्रदर्शन का माध्यम न बन जाए। इस घटना का महत्व केवल इतना नहीं है कि एक मुख्यमंत्री ने अपनी बेटी की शादी सादगी से कराई। इसका वास्तविक महत्व उस राजनीतिक सोच में छिपा है, जिसमें सार्वजनिक पद को निजी सुविधा नहीं, बल्कि जनता की अमानत माना जाता है। कर्पूरी ठाकुर के लिए मुख्यमंत्री की कुर्सी एक जिम्मेदारी थी, व्यक्तिगत प्रतिष्ठा का प्रदर्शन करने का साधन नहीं। वे जानते थे कि सरकारी संसाधनों का निर्माण जनता के पैसे से होता है और उनका उपयोग जनहित के लिए होना चाहिए। निजी समारोह में सरकारी सुविधाओं का इस्तेमाल न करना उनके लिए कोई राजनीतिक प्रचार नहीं, बल्कि जीवन का सहज सिद्धांत था।

अब वर्तमान की तरफ देखिए। मोकामा के विधायक अनंत सिंह की बेटी शिवांगी की शादी 25 नवंबर को प्रस्तावित है। इस आयोजन की तैयारियों को लेकर बिहार में व्यापक चर्चा है। बड़े क्षेत्र में पंडाल, भोजन की विशाल व्यवस्था, देश–विदेश से मेहमानों के आने की खबरें और विभिन्न पारंपरिक आकर्षण इस समारोह को चर्चा का विषय बना रहे हैं। अनंत सिंह की राजनीतिक शैली भी हमेशा से अपनी अलग पहचान रखती रही है। उनके समर्थकों और शुभचिंतकों के लिए यह आयोजन एक बड़े सामाजिक मिलन के रूप में देखा जा रहा है। यहां एक बात बिल्कुल स्पष्ट होनी चाहिए कि किसी व्यक्ति को अपनी मेहनत, कमाई और निजी संसाधनों से अपनी बेटी की शादी अपनी इच्छा और सामर्थ्य के अनुसार करने का पूरा अधिकार है। भारतीय संविधान नागरिकों को निजी जीवन की स्वतंत्रता देता है। किसी की शादी में कितने मेहमान आएंगे, कितने व्यंजन बनेंगे या कितनी बड़ी व्यवस्था होगी, यह अपने आप में किसी अपराध अथवा अनैतिकता का प्रमाण नहीं है। लोकतंत्र में व्यक्तिगत पसंद और पारिवारिक स्वतंत्रता का सम्मान होना चाहिए। इसलिए केवल शादी की भव्यता के आधार पर किसी व्यक्ति के चरित्र या राजनीतिक जीवन का अंतिम मूल्यांकन करना उचित नहीं होगा। लेकिन जब बात किसी जनप्रतिनिधि की होती है, तब निजी जीवन और सार्वजनिक जीवन के बीच एक महत्वपूर्ण नैतिक प्रश्न भी सामने आता है। विधायक केवल एक निजी व्यक्ति नहीं होता, वह जनता का प्रतिनिधि भी होता है। उसके आचरण, सार्वजनिक संसाधनों के प्रति दृष्टिकोण और सामाजिक संदेश का राजनीतिक महत्व होता है। इसलिए सवाल यह नहीं है कि कोई नेता अपनी बेटी की शादी में कितना खर्च करता है, बल्कि सवाल यह है कि उस आयोजन में इस्तेमाल होने वाले संसाधनों का स्रोत क्या है, कहीं सरकारी मशीनरी या सार्वजनिक सुविधाओं का अनुचित इस्तेमाल तो नहीं हो रहा और क्या सार्वजनिक पद की मर्यादा का पालन किया जा रहा है?

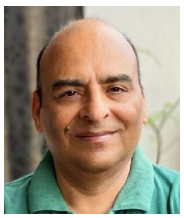
यही वह बिंदु है, जहां कर्पूरी ठाकुर का उदाहरण आज भी प्रासंगिक हो जाता है। उन्होंने अपनी सादगी को किसी कानून की मजबूरी नहीं बनाया था, बल्कि उसे अपने सार्वजनिक जीवन का नैतिक अनुशासन बनाया था। उन्होंने यह संदेश दिया कि सत्ता में बैठा व्यक्ति भी सामान्य नागरिक की तरह अपने निजी पारिवारिक दायित्वों का निर्वहन कर सकता है। मुख्यमंत्री की कुर्सी पर बैठने का अर्थ यह नहीं कि परिवार का हर आयोजन सरकारी प्रतिष्ठा का विस्तार बन जाए। भारतीय राजनीति में यह बहस नई नहीं है। आजादी के आंदोलन से निकले अनेक नेताओं ने सार्वजनिक जीवन में सादगी को राजनीतिक संस्कार बनाया था। महात्मा गांधी से लेकर लाल बहादुर शास्त्री तक, ऐसे अनेक उदाहरण मिलते हैं जहां व्यक्तिगत जीवन की सादगी को सार्वजनिक नैतिकता से जोड़ा गया। राममनोहर लोहिया ने भी राजनीति में गैरबराबरी और अनावश्यक विलासिता के विरुद्ध आवाज उठाई। कर्पूरी ठाकुर इसी राजनीतिक परंपरा के महत्वपूर्ण प्रतिनिधि थे। उनके लिए सामाजिक न्याय केवल भाषणों और चुनावी नारों का विषय नहीं था, बल्कि जीवन जीने का तरीका भी था। कर्पूरी ठाकुर का राजनीतिक जीवन इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि उन्होंने अत्यंत सामान्य सामाजिक और आर्थिक परिस्थितियों से निकलकर बिहार के सर्वोच्च राजनीतिक पद तक का सफर तय किया। उन्होंने पिछड़े, वंचित और कमजोर वर्गों के अधिकारों के लिए संघर्ष किया। मुख्यमंत्री रहते हुए आरक्षण की व्यवस्था को लागू करने जैसे ऐतिहासिक निर्णय लिए। उनकी राजनीति का केंद्र सत्ता का वैभव नहीं, बल्कि समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति का सम्मान था। यही कारण है कि सत्ता से बाहर होने के दशकों बाद भी उनकी राजनीतिक प्रासंगिकता बनी हुई है।

आज की राजनीति में अक्सर लोकप्रियता का आकलन भीड़, समर्थकों की संख्या, बड़े आयोजनों और शक्ति प्रदर्शन से किया जाने लगा है। किसी नेता के कार्यक्रम में कितनी भीड़ आई, कितने बड़े मंच का निर्माण हुआ, कितने लोग भोजन करने पहुंचे और कितने प्रभावशाली व्यक्ति शामिल हुए, ये सब राजनीतिक चर्चा के विषय बन जाते हैं। लेकिन लोकतंत्र में भीड़ और जनसमर्थन के बीच अंतर समझना जरूरी है। किसी आयोजन में लाखों लोगों का पहुंचना किसी नेता की सामाजिक पहुंच का संकेत हो सकता है, लेकिन उससे उसके सार्वजनिक जीवन के आदर्शों का स्वतः प्रमाण नहीं मिलता। इसी तरह सादगी भी अपने आप में किसी व्यक्ति के संपूर्ण राजनीतिक चरित्र का प्रमाणपत्र नहीं है। किसी नेता का वास्तविक मूल्यांकन उसके निर्णयों, नीतियों, जनता के प्रति जवाबदेही, भ्रष्टाचार के प्रति दृष्टिकोण और कमजोर वर्गों के लिए किए गए कार्यों से होना चाहिए। इसलिए कर्पूरी ठाकुर और अनंत सिंह के प्रसंग को किसी व्यक्ति विशेष के खिलाफ व्यक्तिगत टिप्पणी बनाने के बजाय राजनीतिक संस्कृति की व्यापक बहस के रूप में देखना अधिक उचित होगा। यह भी समझना होगा कि दोनों नेताओं का समय, राजनीतिक पृष्ठभूमि और सामाजिक परिस्थितियां अलग–अलग हैं। कर्पूरी ठाकुर का उदाहरण उस दौर की राजनीति का प्रतिनिधित्व करता है, जहां सार्वजनिक जीवन में सादगी को विशेष नैतिक महत्व दिया जाता था। आज राजनीति का स्वरूप बदल गया है। जनसंपर्क के तरीके बदले हैं, सामाजिक आयोजन बड़े हुए हैं और नेताओं की लोकप्रियता प्रदर्शित करने के माध्यम भी बदल गए हैं। लेकिन समय बदलने का अर्थ यह नहीं कि सार्वजनिक जीवन के नैतिक मूल्य भी अप्रासंगिक हो जाएं।

लोकतंत्र में जनप्रतिनिधियों को केवल कानून के दायरे में रहकर ही नहीं, बल्कि नैतिक मानकों पर भी खरा उतरने का प्रयास करना चाहिए। कानून यह तय करता है कि क्या वैध है और क्या अवैध, लेकिन राजनीति का आदर्श यह तय करता है कि समाज के सामने कौन–सा आचरण अनुकरणीय है। कोई आयोजन कानूनी रूप से पूरी तरह वैध हो सकता है, फिर भी उस पर सार्वजनिक विमर्श हो सकता है। इसी तरह सादगी से आयोजित विवाह भी तभी राजनीतिक आदर्श बनता है, जब उसके पीछे सार्वजनिक जीवन के प्रति ईमानदारी और जवाबदेही का व्यापक चरित्र मौजूद हो। आज देश में करोड़ों परिवार ऐसे हैं, जो अपनी बेटियों की शादी के लिए जीवनभर की बचत लगा देते हैं। कहीं किसान कर्ज लेकर बेटी का विवाह करता है, कहीं गरीब पिता अपनी जरूरतों में कटौती करके सामाजिक जिम्मेदारियां निभाता है। ऐसे समाज में जनप्रतिनिधियों के पारिवारिक आयोजनों की चर्चा स्वाभाविक रूप से सामाजिक असमानता और राजनीतिक नैतिकता के सवाल भी उठाती है। इसका अर्थ यह नहीं कि हर संपन्न व्यक्ति को अपनी खुशियां सीमित कर लेनी चाहिए, बल्कि इसका अर्थ यह है कि राजनीति में बैठे लोगों को यह समझना चाहिए कि उनकी सामाजिक जिम्मेदारी सामान्य नागरिक से कुछ अधिक होती है। कर्पूरी ठाकुर की बेटी की शादी की चर्चा आज भी इसलिए होती है क्योंकि उन्होंने अपनी सत्ता को अपने परिवार के निजी समारोह पर हावी नहीं होने दिया। उनकी पहचान किसी बड़े आयोजन, आलीशान भवन या व्यक्तिगत वैभव से नहीं बनी। उनकी पहचान बनी उनके संघर्ष, सामाजिक न्याय के प्रति प्रतिबद्धता और सार्वजनिक जीवन की सादगी से। उनके निधन के बाद भी उनकी विरासत राजनीतिक विमर्श में जीवित है। यह किसी भी राजनेता के लिए सबसे बड़ी उपलब्धि है कि उसकी पहचान उसके पद से नहीं, बल्कि उसके कर्मों से हो। अनंत सिंह की बेटी की शादी भी एक पारिवारिक खुशी का अवसर है और उनके परिवार को इसे अपनी इच्छा के अनुसार मनाने का अधिकार है। लेकिन इस आयोजन के बहाने बिहार की जनता को अपनी राजनीतिक प्राथमिकताओं पर विचार करने का अवसर जरूर मिला है। क्या राजनीति में लोकप्रियता का अर्थ केवल समर्थकों की भीड़ और बड़े आयोजनों से है? क्या जनप्रतिनिधि की प्रतिष्ठा उसके प्रभाव और शक्ति प्रदर्शन से तय होगी, या उसके सार्वजनिक आचरण और जनता के प्रति जिम्मेदारी से?

बिहार की राजनीति ने अनेक ऐसे व्यक्तित्व देखे हैं, जिन्होंने सत्ता को सेवा का माध्यम बनाया और अपनी सादगी से समाज में अलग पहचान बनाई। जननायक कर्पूरी ठाकुर उन्हीं में से एक हैं। उनकी बेटी की शादी का प्रसंग आज भी याद किया जाता है, जबकि उस समारोह में न तो करोड़ों रुपये के पंडाल की चर्चा थी और न ही लाखों लोगों के भोजन की। याद रखा गया तो केवल उस पिता का निर्णय, जिसने मुख्यमंत्री होने के बावजूद अपनी निजी जिंदगी में सरकारी संसाधनों को शामिल नहीं होने दिया। अंततः राजनीति में किसी नेता की असली विरासत उसके जीवनकाल में जुटाई गई भीड़, आयोजित समारोहों या प्रदर्शित वैभव से नहीं बनती। उसकी विरासत इस बात से बनती है कि उसने सत्ता का इस्तेमाल किसके लिए किया, जनता के संसाधनों के प्रति कितना ईमानदार रहा और आने वाली पीढ़ियों के लिए कौन–से आदर्श छोड़े। शादी के पंडाल कुछ दिनों में उजड़ जाएंगे, पकवानों की चर्चा समाप्त हो जाएगी और मेहमान अपने घर लौट जाएंगे। लेकिन कर्पूरी ठाकुर की सादगी का प्रसंग पीढ़ियों तक सुनाया जाता रहेगा। यही राजनीति के दो अलग–अलग पैमानों के बीच सबसे बड़ा अंतर है। सवाल यह नहीं कि किसी नेता की बेटी की शादी कितनी भव्य होनी चाहिए। सवाल यह है कि किसी नेता का सार्वजनिक जीवन कितना आदर्श होना चाहिए। क्योंकि शादी का वैभव कुछ दिनों तक दिखाई देता है, लेकिन चरित्र की विरासत इतिहास में दर्ज होती है।

धान उत्पादन और निर्यात पर प्रतिकूल असर



—पंकज चतुर्वेदी—



भारत की मजबूत कृषि बुनियाद, किसानों का अथक परिश्रम और सरकार के पास उपलब्ध विशाल बफर स्टॉक इस बात का पूरा भरोसा दिलाते हैं कि देश किसी भी बड़े खाद्य संकट से निपटने में पूरी तरह सक्षम है।देश की कृषि व्यवस्था और ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर एक बार फिर मौसम की अनिश्चितता और अल नीनो का गंभीर साया मंडराता नजर आ रहा है। कृषि वैज्ञानिकों और मौसम विशेषज्ञों के अनुसार, इस बार मानसून का कमजोर और असमान रहना खरीफ सीजन के लिए नुकसानदायक साबित हुआ, जिसका असर देश की मुख्य खाद्यान्न फसल यानी धान के रकबे और उसकी कुल पैदावार पर पड़ने की आशंका है। हालांकि, भारत में कृषि मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक पिछले वर्ष 2024–25 में रिकॉर्ड 149.07 से 150.18 मिलियन टन धान का बंपर उत्पादन हुआ था। देश दुनिया का सबसे बड़ा चावल उत्पादक होने के साथ–साथ वर्ष 2012 से सबसे बड़ा निर्यातक भी बना हुआ है, किंतु इस बार की मौसमी परिस्थितियां चिंता का विषय जरूर बन रही हैं।

मौजूदा खरीफ सीजन के दौरान कृषि प्रधान राज्यों में मानसून की बेरुखी और सामान्य से काफी कम बारिश दर्ज किए जाने के कारण धान की रोपाई और कुल रकबे में भारी गिरावट आई है। आंकड़ों के अनुसार देश भर में धान का रकबा पिछले साल के मुकाबले घटकर काफी नीचे आ गया है, जिससे उत्तर प्रदेश के पूर्वी और तराई वाले क्षेत्रों तथा हरियाणा जैसे राज्यों में उत्पादन प्रभावित होने के स्पष्ट संकेत मिल रहे हैं। इसके अलावा, कटाई के समय बेमौसम बारिश के कारण मंडियों में पहुंचे धान का एक बड़ा हिस्सा भीग गया, जिससे उनमें नमी की मात्रा सामान्य से 20 से 22 प्रतिशत तक बढ़ गई है। नमी अधिक होने के कारण मिल मालिक और खरीदार भी धान की खरीद में गहरी रुचि नहीं दिखा रहे हैं और किसानों को कम दाम देने पर मजबूर कर रहे हैं।

इस स्थिति का प्रभाव स्थानीय बाजारों और खुदरा मूल्यों पर साफ तौर पर दिखाई देने लगा है। फसल अभी पूरी तरह बाजार में उतरी भी नहीं है कि खुदरा बाजारों में चावल की कीमतों में लगभग 10 प्रतिशत तक की तेजी दर्ज की जा चुकी है। देश के कई हिस्सों में सोना मसूरी, पोनी और स्वर्णा जैसी लोकप्रिय किस्मों के दाम 10 से 25 प्रतिशत तक उछल चुके हैं। वहीं प्रीमियम चावल के दाम कुछ दक्षिणी क्षेत्रों में और भी अधिक बढ़े हैं। जानकारों का मानना है कि वैश्विक अनिश्चितताओं और युद्ध जैसे हालातों के चलते जहां एक ओर कई देश अपने घरेलू खाद्य भंडारों को सुरक्षित करने में जुटे हैं, वहीं दूसरी ओर घरेलू स्तर पर मांग बढ़ने से कीमतों पर लगातार दबाव बना हुआ है। हालांकि पूसा के वैज्ञानिकों और कुछ धान विशेषज्ञों का यह भी तर्क है कि देश के पास पर्याप्त बफर स्टॉक मौजूद है और अगेती तथा पिछेती किस्मों का सही संतुलन अंततः इस नुकसान की भरपाई करने में मददगार साबित हो सकता है।

घरेलू बाजार के साथ–साथ इस मौसमी बदलाव और उत्पादन की अनिश्चितता का असर कृषि निर्यात पर भी पड़ने की पूरी आशंका है। भारत वैश्विक बाजार में बासमती और गैर–बासमती चावल का एक प्रमुख आपूर्तिकर्ता है। वर्ष 2024–25 के दौरान देश ने लगभग 20.19 मिलियन मीट्रिक टन चावल का निर्यात किया था, जिसका कुल मूल्य लगभग 12.47 अरब अमेरिकी डॉलर था। चालू वर्ष में भी निर्यात को लेकर शुरुआती अनुमान अच्छे थे। सऊदी अरब, बेनिन, इराक, ईरान, गिनी, कोट डी आइवर, सेंयुक्त अरब अमीरात और टोगो जैसे देश हमारे चावल के प्रमुख खरीदार हैं। लेकिन दूसरी ओर, धान की बढ़ती लागत, फसल की अनिश्चितता और नमीयुक्त फसल के कारण निर्यातकों के मुनाफे पर भारी दबाव बन आया है। निर्यातकों का कहना है कि वैश्विक प्रतिस्पर्धा के बीच भारतीय चावल की कीमतें बनाए रखना और प्रतिस्पर्धी वैश्विक बाजारों में अपनी मजबूत पकड़ बरकरार रखना इस समय एक बड़ी चुनौती बनता जा रहा है।

इन तमाम चुनौतियों के बीच देश का सुरक्षित और केंद्रीय सरकारी भंडार फिलहाल काफी मजबूत स्थिति में है, जो किसी भी आपात स्थिति या खाद्य संकट से निपटने के लिए एक बड़ा सुरक्षा कवच प्रदान करता है। उपभोक्ता मामलों और खाद्य निगम के आंकड़ों के अनुसार, भारतीय खाद्य निगम के पास पर्याप्त मात्रा में चावल का स्टॉक उपलब्ध है, जो सरकार द्वारा निर्धारित न्यूनतम बफर स्टॉक के मानकों से कई गुना अधिक है।

अल नीनो और मानसून की अनियमितता ने कृषि क्षेत्र के सामने एक गंभीर चेतावनी पेश कर दी है, जिससे धान के साथ–साथ आगामी रबी सीजन की अन्य फसलों जैसे गेहूं, सरसों और चने की बुआई पर भी आंशिक संकट पैदा हुआ है। कई क्षेत्रों में भूजल स्तर में गिरावट और जलाशयों में पानी की कमी के कारण सिंचाई को लेकर किसानों की चिंताएं बढ़ी हैं। हालांकि, भारत की मजबूत कृषि बुनियाद, किसानों का अथक परिश्रम और सरकार के पास उपलब्ध विशाल बफर स्टॉक इस बात का पूरा भरोसा दिलाते हैं कि देश किसी भी बड़े खाद्य संकट से निपटने में पूरी तरह सक्षम है। आवश्यकता इस बात की है कि बदलते मौसम के मिजाज को ध्यान में रखते हुए कृषि रणनीतियों में समय रहते बदलाव किए जाएं।

जड़ी–बूटियों से सेहत की सुरक्षा

—रेखा देशराज—



तुलसी, अदरक, हल्दी, आंवला, दालचीनी, मुलेठी और आजवाइन जैसी चीजें हमेशा से भारतीय रसोई का हिस्सा रही हैं। ये चाय,सब्जियों व सूप आदि का स्वाद बढ़ाती हैं। वहीं तकरीबन इन सभी में विभिन्न तरह के औषधीय गुण हैं। इनका संतुलित इस्तेमाल सर्दियों के खानपान को पौष्टिक और सेहतमंद बनाता है। वहीं इनका सेवन रोगों से बचाव में भी मददगार है।

सर्दियों की दस्तक के साथ ही खानपान और रहन–सहन में कई जरूरी बदलाव करने पड़ते हैं। सुबह की हल्की ठंड, दोपहर की गुनगुनी धूप और शाम की ठिठुरन के बीच शरीर को देखभाल की जरूरत पड़ती है। वहीं सर्दी, जुकाम, खांसी, गले में खराश, त्वचा का रूखापन और जोड़ों में अकड़न जैसी परेशानियां बढ़ जाती हैं। ऐसे में अगर दिनचर्या में कुछ प्राकृतिक और हर्बल चीजों को जगह दी जाए, तो सेहत को बेहतर बनाये रखने में मदद मिलती है। यूं भी तुलसी, अदरक, हल्दी, आंवला, दालचीनी, मुलेठी और आजवाइन जैसी चीजें हमेशा से भारतीय रसोई का हिस्सा रही हैं। इनमें से कई के औषधीय गुण हैं। इनका संतुलित इस्तेमाल सर्दियों के खानपान को पौष्टिक और सेहतमंद बनाता है, तो जानिए गुनगुनी सर्दियों में अपनी हर्बल सेहत को कैसे हासिल करें–

दिन की शुरुआत

सर्दियों की सुबहें काफी ठंडी और आलसभरी होती हैं, इसलिए जागते ही तुलसी और अदरक की चाय का अलग ही आनंद है। तुलसी में मौजूद प्राकृतिक यौगिकों में एंटीऑक्सीडेंट गुण पाये जाते हैं, जबकि अदरक में जिंजरोल जैसे सक्रिय तत्व होते हैं, जिनमें सूजनरोधी और अन्य संभावित स्वास्थ्य लाभ के गुण पाये जाते हैं। सर्दियों की सुबह अगर तुलसी–अदरक की चाय से की जाए, तो शरीर में ऊर्जा और तरोताजगी महसूस होती है। रसोई का औषधीय खजाना रू हल्दी

हल्दी में पाया जाने वाला करक्यूमिन अपने एंटीऑक्सीडेंट और सूजनरोधी गुणों के लिए जाना जाता है। इसलिए सर्दियों में चाहे दाल हो, सब्जी हो, हल्दी का जरूर इस्तेमाल करें। सीमित मात्रा में अगर दूध में भी हल्दी का इस्तेमाल किया जाए, तो यह अतिरिक्त पौष्टिकता व औषधीय गुण प्रदान करती है। हल्दी वाला दूध सर्दियों से भारतीय घरों में विशेषकर सर्दियों की रात में पीये जाने का चलन रहा है।

विटामिन सी का स्रोत – आंवला

सर्दियों में मिलने वाला आंवला पोषण का बेहतरीन स्रोत है। इसमें विटामिन सी के अलावा कई एंटीऑक्सीडेंट तत्व मौजूद होते हैं। यह शरीर की सामान्य प्रतिरक्षा प्रणाली के कामकाज, कोलेजन निर्माण और आयरन के अवशोषण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। आंवले को कच्चा भी खाया जा सकता है और इसकी चटनी, मुरब्बे और जूस को भी आहार में शामिल किया जा सकता है। हालांकि जिन्हें शुगर की बीमारी हो, वे चीनी वाले मुरब्बे से बचें।

नई व्यवस्थाः अब शाम को भी लगेंगी अदालतें, लंबित मुकदमों के निस्तारण के लिए इवनिंग कोर्ट शुरू करेगी सरकार



संवाददाता–देवरिया। देश की अदालतों में लंबित करोड़ों मुकदमों के जल्द निस्तारण के लिए केंद्र सरकार नई व्यवस्था लागू करने की तैयारी कर रही है। इसके तहत नियमित अदालती कार्यवाही के बाद शाम को भी तीन से चार घंटे अदालतें चलाने की योजना है। शुरुआत में इवनिंग कोर्ट का पायलट प्रोजेक्ट लागू किया जाएगा। इसके अलावा सेवानिवृत्त न्यायाधीशों की सेवाएं लेने और दशकों से लंबित मुकदमों की पहचान कर उनकी प्राथमिकता से सुनवाई कराने की भी तैयारी है। केंद्रीय विधि एवं न्याय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) अर्जुन राम मेघवाल ने बुधवार को देवरिया में पत्रकारों से बातचीत में यह जानकारी दी।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि देश की न्यायिक व्यवस्था के सामने लंबित मुकदमों का बोझ बड़ी चुनौती है। सुप्रीम कोर्ट में 96 हजार से अधिक, देश के 25 हाईकोर्ट में करीब 70 लाख और जिला व अधीनस्थ अदालतों में लगभग चार करोड़ 30 लाख मामले लंबित हैं। मुकदमों के लंबे समय तक चलने से आम लोगों को समय पर न्याय मिलने में परेशानी होती है। सरकार इस समस्या के समाधान के लिए नए विकल्पों पर काम कर रही है। उन्होंने बताया कि पहली बार लंबित मुकदमों का एजिंग एनालिसिस कराने की पहल की जा रही है। इसके तहत यह पता लगाया जाएगा कि कौन सा मामला कितने वर्षों से अदालत में लंबित है। 20, 30 और यहां तक कि 40 साल पुराने मुकदमों को चिह्नित कर उनकी प्राथमिकता से सुनवाई कराने का प्रयास होगा। ऐसे मामलों को कॉज लिस्ट में प्राथमिकता दिलाई जाएगी। कई मुकदमों में स्थिति यह है कि गवाहों की मृत्यु हो चुकी है, लेकिन सुनवाई अब तक जारी है। चेक बाउंस से जुड़े मामलों की संख्या भी काफी अधिक है।

केंद्रीय मंत्री ने बताया कि लंबित मामलों के निस्तारण के लिए इवनिंग कोर्ट की व्यवस्था पर विचार किया जा रहा है। इसके तहत नियमित अदालतों का कामकाज समाप्त होने के बाद शाम को तीन से चार घंटे अतिरिक्त सुनवाई होगी। शुरुआत में पायलट प्रोजेक्ट के रूप में इसे लागू कर इसकी उपयोगिता परखी जाएगी। उन्होंने स्वीकार किया कि इस व्यवस्था को लेकर कुछ अधिवक्ताओं की ओर से विरोध भी सामने आया है। हालांकि, इससे न्यू अधिवक्ताओं को भी काम करने का अवसर मिल सकता है।

मेघवाल ने कहा कि लंबित मुकदमों का बोझ कम करने के लिए सेवानिवृत्त न्यायाधीशों की सेवाएं लेने पर भी काम किया जा रहा है। संविधान में इसके लिए प्रावधान मौजूद हैं। पुराने मुकदमों की पहचान, अतिरिक्त अदालतों की व्यवस्था और तकनीक के इस्तेमाल से न्यायिक प्रक्रिया को तेज करने का प्रयास किया जाएगा।

न्यायिक व्यवस्था में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के इस्तेमाल पर केंद्रीय मंत्री ने कहा कि न्यायपालिका में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। भाषाई अनुवाद के लिए एआई आधारित टूल का इस्तेमाल किया जा रहा है। उन्होंने उदाहरण देते हुए बताया कि सुप्रीम कोर्ट में अंग्रेजी में सुनाए गए फैसले का तमिल जैसी क्षेत्रीय भाषाओं में तत्काल अनुवाद किया जा सकता है। इससे आम लोगों को अपनी भाषा में न्यायिक फैसले समझने में आसानी होगी। आने वाले समय में न्यायिक कार्यों में तकनीक का इस्तेमाल और बढ़ेगा।

देवरिया के उपभोक्ता फोरम में चार वर्षों से न्यायाधीश का पद खाली होने और मुकदमों के लंबित रहने के सवाल पर मेघवाल ने कहा कि उपभोक्ताओं को राहत देने के लिए ही उपभोक्ता अदालतों की व्यवस्था की गई है। न्यायाधीशों की नियुक्ति की एक निर्धारित प्रक्रिया है, जिसमें संबंधित न्यायिक अधिकारियों से विचार–विमर्श जरूरी होता है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि इस मामले में हाईकोर्ट से बातचीत कर जल्द नियुक्ति कराने का प्रयास किया जाएगा।

लोकसभा और विधानसभाओं में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने के सवाल पर केंद्रीय मंत्री ने कहा कि सरकार नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लेकर प्रतिबद्ध है। महिला आरक्षण और परिसीमन से जुड़े विषयों पर सरकार आगे बढ़ने का प्रयास कर रही है। हालांकि, इसके लिए राजनीतिक सहमति और आवश्यक संख्या बल भी महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि अगले संसदीय सत्र में इन विषयों को आगे बढ़ाने का प्रयास किया जाएगा।

विपक्ष की ओर से संविधान खतरे में होने के आरोपों पर केंद्रीय मंत्री ने कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि विपक्ष लगातार गलत नैरेटिव बनाने का प्रयास करता है। वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव में भी संविधान बदलने और आरक्षण समाप्त करने के आरोप लगाए गए, लेकिन इनके समर्थन में कोई प्रमाण नहीं दिया गया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा संविधान का सम्मान करते हैं। गुजरात के मुख्यमंत्री रहते हुए नरेंद्र मोदी ने संविधान को हाथी पर रखकर संविधान सम्मान यात्रा निकाली थी। यह संविधान के प्रति उनके सम्मान को दर्शाता है।

मेघवाल ने आपातकाल का जिक्र करते हुए कांग्रेस पर हमला बोला। उन्होंने सवाल उठाया कि देश में आपातकाल किसने लगाया था और उस दौरान लोगों को जेल में किसने डाला था। उन्होंने कहा कि आपातकाल के समय पत्रकारों को स्वतंत्र रूप से लिखने तक की आजादी नहीं थी। वास्तव में उसी दौर में संविधान और लोकतांत्रिक अधिकारों पर संकट पैदा हुआ था। उन्होंने दावा किया कि देश की जनता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नीतियों पर भरोसा करती है।

इंटरसिटी की चपेट में आया युवक, मौत

संवाददाता–महराजगंज। गोरखपुर से नौतनवा जाने वाली इंटरसिटी ट्रेन की चपेट में आने से बुधवार को एक युवक की मौके पर ही मौत हो गयी। इस घटना के बाद आसपास के लोगों की भीड़ जुट गई। सूचना पर आरपीएफ के साथ एसओ पुरंदरपुर गौरव राय कन्नौजिया मौके पर पहुंचे। पुलिस ने कार्रवाई शुरू कर दी। गोरखपुर से नौतनवा की तरफ जाने वाली 15105 इंटरसिटी ट्रेन नौतनवा जा रही थी। जैसे ही ट्रेन मोहनापुर ढाले के पास पहुंची कि सिसवनिया विशुन निवासी 22 वर्षीय अंकित चौरसिया पुत्र कमलेश चौरसिया उसकी चपेट में आ गया। ट्रेन की चपेट में आने से उसका सिर धड़ से अलग हो गया और मौके पर ही उसकी मौत हो गई। रेलवे की सूचना पर आरपीएफ और थानाध्यक्ष पुरंदरपुर अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंच गये। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी। बताया जा रहा है कि अंकित की मां का निधन 9 वर्ष पूर्व हो चुका था। वह अपनी मां का इकलौता पुत्र था। बाद में उसके पिता ने दूसरी शादी कर ली। उसके पिता राजगीर मिस्त्री का काम करते हैं और वह अपनी पिकअप गाड़ी चलाया करता था। एसओ गौरव राय कन्नौजिया ने बताया कि सूचना पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची। आरपीएफ की टीम पहुंची थी।

24 कनिष्ठ सहायकों को नियुक्ति पत्र मिले



संवाददाता–देवरिया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को लखनऊ में राजस्व विभाग के 1,146 नवचयनित कनिष्ठ सहायकों को नियुक्ति पत्र दिए। मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना के तहत प्रदेश के 4,300 लाभार्थियों के लिए 215 करोड़ रुपए की सहायता राशि भी आवंटित की गई। कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही और जनप्रतिनिधियों ने जिले के नौ लाभार्थियों को पांच–पांच लाख रुपए के प्रतीकात्मक चेक दिए। चेक पाने वालों में निधू देवी, अंजना यादव, चन्द्रा पांडेय, रमावती, सुनीता, शंभू चौहान, अभिषेक सोनकर, बरफी देवी और बिंदु देवी शामिल हैं। वे जिले की अलग–अलग तहसीलों से आए थे। कृषि मंत्री ने कहा कि जिले के 24 चयनित कनिष्ठ सहायकों को मुख्यमंत्री ने लखनऊ में नियुक्ति पत्र दिए हैं। उन्होंने बताया कि अर्नव तूफान और अत्यधिक बारिश से फसलों को हुए नुकसान की भरपाई भी दी गई है। शाही ने लाभार्थियों से सरकारी योजनाओं के लिए दलालों और बिचौलियों के पास न जाने की अपील की। उन्होंने कहा कि पात्र लोग पोर्टल के जरिए खुद आवेदन कर सकते हैं।

सदर विधायक शलभ मणि त्रिपाठी ने कहा कि परिवार के कमाऊ सदस्य की दुर्घटना में मृत्यु होने पर परिवार को आर्थिक संकट का सामना करना पड़ता है। ऐसे परिवारों की मदद के लिए मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना चलाई गई है। रामपुर कारखाना विधायक सुरेंद्र चौरसिया ने पीड़ित परिवारों को हर संभव सहायता का भरोसा दिलाया।

जिलाधिकारी मधुसूदन हुल्गी ने अतिथियों और लाभार्थियों का आभार जताया। कार्यक्रम में अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) पंकज प्रकाश राठौर और मुख्य राजस्व अधिकारी चंद्रेश कुमार सिंह समेत अधिकारी, लाभार्थी और उनके परिजन मौजूद रहे।

ट्यूशन से लौट रहे मासूम पर काल बनकर टूटी पिकअप, बहन के सामने चली गई जान



संवाददाता–महराजगंज। बहन के साथ ट्यूशन पढ़कर घर लौट रहे पांच वर्षीय मासूम को पिकअप ने पीछे से रौंद दिया। हादसे में उसकी मौके पर ही मृत्यु हो गई।

घटना बुधवार सुबह करीब 9:30 बजे पुरंदरपुर थाना क्षेत्र के रघुनाथपुर समरधीरा स्थित अमहवा चौराहे पर हुई। हादसे के बाद चालक पिकअप लेकर भागने लगा, लेकिन स्थानीय लोगों ने घेराबंदी कर उसे पकड़ लिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने वाहन को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। रघुनाथपुर समरधीरा के अमहवा चौराहे पर कन्हैया अग्रहरि का मकान और दुकान है। उनका पांच वर्षीय बेटा अंकुश एलकेजी का छात्र था। बुधवार सुबह वह अपनी बहन पीहू के साथ ट्यूशन पढ़ने गया था। पीहू कक्षा तीन में पढ़ती है। दोनों सुबह करीब 9:30 बजे पढ़ाई कर घर लौट रहे थे। इसी दौरान पीछे से आए तेज रफ्तार पिकअप ने अंकुश को रौंदते हुए भागने लगा, लेकिन आसपास मौजूद लोगों ने उसे घेरकर पकड़ लिया।

मासूम की मृत्यु से स्वजन की चीख पुकार मच गई। मां अनीता, भाई कुणाल और बहन जागृति व पीहू का रो–रोकर बेसुध है। घटना के बाद से पूरे क्षेत्र में शोक का माहौल है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। पुरंदरपुर थानाध्यक्ष गौरव राय कन्नौजिया ने बताया कि चालक और पिकअप को कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

अंतरजनपदीय वाहन चोर गिरोह के तीन सदस्य गिरफ्तार, 7 चोरी की बाइक, दो मोबाइल और 180 रुपए बरामद

संवाददाता–गोण्डा। वजीरगंज थाना क्षेत्र में बुधवार शाम करीब 4रू30 बजे पुलिस ने अंतरजनपदीय वाहन चोर गिरोह का खुलासा किया। पुलिस ने गिरोह के तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जबकि एक बाल अपचारी को पुलिस अभिरक्षा में लिया है। आरोपियों की निशानदेही पर अलग–अलग जिलों से चोरी की गई सात मोटरसाइकिलें, 180 रुपये नकद और दो मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं।

पुलिस के मुताबिक, गिरफ्तार आरोपियों की पहचान आकाश सोनकर, अरविंद कोरी और विवेक निषाद के रूप में हुई है। आरोपी चोरी की मोटरसाइकिलों की नंबर प्लेट बदलकर उन्हें सस्ते दामों पर बेचने की फिराक में थे। इससे लिए उन्होंने गणेशपुर ग्रंट जाने वाले खड़ंजा मार्ग के किनारे टिकरी जंगल की झाड़ियों में सातों मोटरसाइकिलें छिपाकर रखी थीं। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर उन्हें गिरफ्तार कर लिया।

पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे चारों मिलकर अलग–अलग



जिलों में मोटरसाइकिल चोरी करते थे। इसके बाद चोरी की गई बाइकों को जंगल या सुनसान जगहों पर छिपाकर रखते थे। बाद में नंबर प्लेट बदलकर उन्हें कम कीमत पर बेच देते थे। आरोपियों ने बताया कि दीपावली के दिन वजीरगंज थाना क्षेत्र के दुर्जनपुर पचूमी बाजार से एक बाइक चोरी की थी। इसके अलावा अयोध्या के धर्म चौक से एक, नया घाट से दो और पूराकलंदर थाना क्षेत्र से एक मोटरसाइकिल चोरी की थी। एक बाइक मगहर खलीलाबाद से चोरी की गई थी।

पुलिस के अनुसार, बाल अपचारी के खिलाफ नवाबगंज और वजीरगंज थानों में चार मुकदमे दर्ज हैं। विवेक निषाद के खिलाफ गोंडा और नवाबगंज थाने में तीन मुकदमे दर्ज हैं। वहीं, अरविंद कोरी और आकाश सोनकर के खिलाफ वजीरगंज थाने में दो–दो मुकदमे दर्ज हैं।

अपर पुलिस अधीक्षक पश्चिमी नितेश सिंह ने बताया कि वजीरगंज थानाध्यक्ष दिनेश सिंह और उपनिरीक्षक प्रभाकर पांडेय के नेतृत्व में पुलिस टीम ने कार्रवाई की। टीम ने सात चोरी की मोटरसाइकिलें, 180 रुपये नकद और दो मोबाइल फोन बरामद किए हैं। तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है, जबकि बाल अपचारी को पुलिस अभिरक्षा में लिया गया है।

केंद्रीय राज्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने भजन गाकर दी पूर्व उप थल सेनाध्यक्ष श्रीप्रकाश मणि को श्रद्धांजलि

संवाददाता–देवरिया। बैतालपुर क्षेत्र के बरपार पहुंच कर बुधवार को केंद्रीय राज्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने पूर्व सांसद एवं सेवानिवृत्त लेफ्टिनेंट जनरल श्रीप्रकाश मणि त्रिपाठी को श्रद्धांजलि दी। इस दौरान केंद्रीय विधि एवं न्याय तथा संसदीय कार्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल का अलग अंदाज देखने को मिला। शोकाकुल माहौल में उन्होंने भजनों के माध्यम से जीवन की नश्वरता, आध्यात्मिक चेतना और प्रकृति के महत्व का संदेश दिया। उनके साथ विधि एवं न्याय मंत्रालय के सचिव डॉ. राजीव मणि भी मौजूद रहे। केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने श्रद्धांजलि सभा में भजन की पंक्तियां 'देहें नैन बिना, रैंण चंद्र बिना, धरती मेघ बिना' सुनाकर देवरिया सदर के सांसद शशांक मणि त्रिपाठी और उनके परिजनों के साथ ही उपस्थित लोगों को भावविभोर कर दिया। उन्होंने इन पंक्तियों का हिंदी भावार्थ भी समझाया। कहा कि जिस प्रकार आंखों के बिना शरीर, चंद्रमा के बिना रात और बादलों के बिना धरती अधूरी है, उसी प्रकार पेड़–पौधों के बिना धरती पर जीवन की कल्पना भी अधूरी है। भजनों के जरिए उन्होंने मानव जीवन, प्रकृति और आध्यात्मिकता के गहरे संबंधों को रेखांकित किया। केंद्रीय राज्य मंत्री ने परिजनों और उपस्थित लोगों से राम नाम का जप, भजन–कीर्तन



और लंगर जैसे धार्मिक एवं सेवा कार्यों का आयोजन निरंतर करते रहने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन दिवंगत आत्मा की स्मृतियों को जीवंत रखने के साथ ही समाज में आध्यात्मिक चेतना, आपसी सद्भाव और मानवता की भावना को मजबूत करते हैं। श्रद्धांजलि सभा में केंद्रीय मंत्री के भजनों और उनके भावार्थ ने माहौल को आध्यात्मिक बना दिया। इस अवसर पर सदर सांसद शशांक मणि त्रिपाठी, अपूर्व मणि त्रिपाठी, दिवाकर मिश्र, नरेंद्र मिश्र, विजय प्रताप मणि, मनीष मणि, सुनील सिंह, विश्वंभर मिश्र, संजय मिश्रा, छोटे मिश्रा और रिपुसूदन मणि सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

पूर्व सांसद श्रीप्रकाश मणि त्रिपाठी को श्रद्धांजलि देने के लिए भाजपा के नेताओं और कार्यकर्ताओं के साथ ही अन्य राजनीतिक दलों के लोग भी पहुंचे। अलग–अलग दलों से जुड़े नेताओं की मौजूदगी ने उनके व्यापक राजनीतिक और सामाजिक सम्मान को दर्शाया। श्रद्धांजलि देने वालों में पूर्व मंत्री ब्रह्माशंकर तिवारी, चिल्लूपार के पूर्व विधायक विनय शंकर तिवारी, सपा के प्रदेश उपाध्यक्ष अशोक सिंह कुशवाहा के अलावा फाजिलनगर की अध्यक्ष सुनीता शाही, निषाद पार्टी के जिलाध्यक्ष विजय निषाद शामिल रहे। पूर्व सांसद श्रीप्रकाश मणि त्रिपाठी के निधन पर शोक संवेदना व्यक्त करने के लिए बुधवार को भी उनके बरपार स्थित पैतृक आवास पर सुबह से ही लोगों के पहुंचने का सिलसिला जारी रहा। जिले के विभिन्न ब्लॉक क्षेत्रों के ग्राम प्रशासक और क्षेत्र के अन्य लोग व उनके शुभचिंतक बड़ी संख्या में पहुंचे। इसके अलावा कुशीनगर से आने वालों की भी अच्छी खासी तादाद रही। क्षेत्र के गणमान्य लोगों ने भी पहुंचकर दिवंगत पूर्व सांसद को श्रद्धांजलि अर्पित की।

लक्ष्मी–गणेश प्रतिमाओं का विसर्जन, श्रद्धालु यात्रा में शामिल हुए

संवाददाता–गोण्डा। रुपईडीह ब्लॉक की कहला तेंदुआ ग्राम सभा में बुधवार को मां लक्ष्मी और भगवान गणेश की प्रतिमाओं का विसर्जन किया गया। गाजे–बाजे और भक्ति गीतों के बीच निकली यात्रा में हजारों श्रद्धालु शामिल हुए। यात्रा कहला तेंदुआ, आर्य नगर, गोपाल बाग और गोकरणनाथ शिवाला से होकर निकली। महिलाएं, पुरुष और युवा भक्ति गीतों पर झूमते रहे। श्रद्धालुओं ने जगह–जगह पूजा–अर्चना की और जयकारे लगाए। निर्धारित रास्ते से होते हुए यात्रा पृथ्वीनाथ पोखर पहुंची। वहां वैदिक मंत्रों और धार्मिक रीति–रिवाजों के साथ प्रतिमाओं का विसर्जन किया गया। श्रद्धालुओं ने परिवार की सुख–समृद्धि, शांति और खुशहाली के साथ इलाके की उन्नति के लिए प्रार्थना की। विसर्जन के दौरान श्रद्धालुओं ने मां लक्ष्मी और भगवान गणेश को विदाई दी। उन्होंने अगले साल फिर से आगमन की कामना की। आयोजन में अध्यक्ष अनूप मिश्रा, अरविंद मिश्रा, विष्णु शर्मा, चंद्रभान शर्मा, प्रमोद गुप्ता, शिवदत्त गुप्ता, प्रभाकर मिश्रा और मोहित यादव सहित हजारों श्रद्धालु मौजूद रहे। आयोजन में स्थानीय लोगों और श्रद्धालुओं ने भाग लिया। इस संबंध में थाना प्रभारी खरगूपुर के दुर्गा प्रसाद ने बताया कि संबंधित जगहों पर पुलिस बल तैनात किया गया था ताकि कोई किसी प्रकार की घटना न होने पाए।

सदर तहसील के खैरा गांव में स्थित मां खैरा भवानी मंदिर के पोखरे में दीपावली के चौथे दिन लक्ष्मी प्रतिमाओं का विसर्जन किया गया। बड़ी संख्या में श्रद्धालु प्रतिमाएं लेकर यहां पहुंचे। यह मंदिर पंडरी कृपाल ब्लॉक की खैरा ग्राम पंचायत में है। मंदिर परिसर का पोखरा प्रसिद्ध है। जिले के कई लोग यहां देवी–देवताओं की प्रतिमाओं का विसर्जन करते हैं। यहां मां दुर्गा, मां लक्ष्मी, भगवान गणेश और भगवान विश्वकर्मा की प्रतिमाओं के साथ अन्य प्रतिमाओं का भी विसर्जन किया जाता है।

विसर्जन के दौरान प्रशासन और पुलिस मौजूद रहे। सेमरा पुलिस चौकी के जवानों के साथ जिले के अन्य पुलिसकर्मी भी वहां तैनात थे। प्रशासन की मौजूदगी में विसर्जन शांतिपूर्वक जारी रहा।

जानकारों के मुताबिक, प्रतिमाओं का विसर्जन आज के अलावा कल और परसों भी होगा।

भगवान राम के अयोध्या आने की खुशी में मनाया जाता है महोत्सव –जगतगुरु स्वामी अनंताचार्य

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। रामनगरी की प्रतिष्ठित पीठ श्रीलक्ष्मी वेंकटेश मंदिर उत्तर तोताद्रिमठ, विभीषणकुंड में श्रीलक्ष्मी वेंकटेश मंदिर उत्तर तोताद्रिमठ के वर्तमान पीठाधीश्वर श्रीमज्जगद्गुरू रामानुजाचार्य स्वामी अनंताचार्य महाराज के संयोजन में मंदिर परिसर में मंगलवार रात्रि को अन्नकूट एवं गोवर्धन पूजा महोत्सव मनाया गया। जिसमें अयोध्या के सहित देश भर हजारों की संख्या में आश्रम से जुड़े भक्त एवं गणमान्य लोग उपस्थित हुए और ठाकुर जी को लगा छप्पन भोग का प्रसाद ग्रहण किया। स्वामी अनंताचार्य महाराज ने बताया कि जब त्रेता युग में भगवान श्री राम का वनवास समाप्त हुआ पृथ्वी से असुरों का भार काम करके भगवान अयोध्या आए सबसे भेंट की तो पूरे अयोध्यावासी भगवान श्री राम के आने की खुशी में अपने–अपने घर पर नाना प्रकार के व्यंजनों को बना करके भगवान को खिलाएं और तभी से यह उत्सव सनातन बड़े ही आनंद के साथ मनाया जाता है। जिसमें सभी भक्त आश्रम में पहुंचकर ठाकुर जी को भोग लगा प्रसाद पाते हैं और उनका आशीर्वाद प्राप्त करते हैं। मठ में अन्नकूट की व्यवस्था श्रीउत्तर तोताद्रिमठ द्वारा संचालित बालदेशिक संस्थान ट्रस्ट प्रबंधक केशव प्रपन्नाचार्य ने किया और आए हुए अतिथियों का स्वागत सम्मान भी उन्होंने किया। आश्रम में बिना भेदभाव के राजनेता, गृहस्थ एवं संतों महंतों विद्यार्थी सहित हजारों की संख्या में लोग पहुंचे ठाकुर जी का दर्शन किया स्वामी जी का आशीर्वाद प्राप्त किया और प्रसाद पाये यह सिलसिला शाम से शुरु हुआ और देर रात तक चलता रहा।

हत्या के मामले में 7 आरोपी गिरफ्तार

संवाददाता–बहराइच। रामगांव थाना क्षेत्र के मुरई पुरवा गांव में खेत में ट्रैक्टर चलाने को लेकर हुए विवाद में एक युवक की मौत हो गई। पुलिस ने मंगलवार को हत्या के आरोप में सात लोगों को गिरफ्तार किया। आरोपियों की निशानदेही पर चार लाठी–डंडे भी जब्त किए गए। पुलिस के मुताबिक, 9 नवंबर को मुरई पुरवा, लोकना गांव में खेत में ट्रैक्टर चलाने की बात पर दो पक्षों के बीच विवाद हुआ। इसके बाद दोनों पक्षों के लोगों में बीच मारपीट हुई और कई लोग घायल हो गए। सूचना मिलने पर पुलिस ने घायलों को इलाज के लिए अस्पताल भेजा। इलाज के दौरान साबित अली की मौत हो गई। मामले में आशिया बेगम ने थाने में शिकायत दी थी। इसके बाद रामगांव थाने में सात लोगों के खिलाफ बीएनएस की अलग–अलग धाराओं में केस दर्ज किया गया। पुलिस ने जांच के आधार पर मंगलवार को सभी सात आरोपियों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार लोगों में मुबारक अली (46), जकव्वाद (19), दौलत अली उर्फ लड्डन (65), जुनाब अली (55), जैनब बेगम (57), नसीमुन निशा उर्फ चांदनी (20) और आशिया बेगम (52) शामिल हैं। सभी मुरई पुरवा, लोकना गांव के निवासी हैं।

18 लाख रुपये की स्मैक के साथ एक तस्कर गिरफ्ता



संवाददाता–बहराइच। भारत–नेपाल सीमा पर मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत रुपईडीहा पुलिस और सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) की संयुक्त टीम ने एक बड़ी सफलता हासिल की है। टीम ने 50 ग्राम अवैध स्मैक के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। बरामद स्मैक की अंतरराष्ट्रीय बाजार में अनुमानित कीमत करीब 18 लाख रुपये बताई गई है। पुलिस अधीक्षक बहराइच विश्वजीत श्रीवास्तव के निर्देशन में अपराध एवं अपराधियों पर अंकुश लगाने तथा मादक पदार्थों की तस्करी पर प्रभावी नियंत्रण के लिए अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण दुर्गा प्रसाद तिवारी एवं क्षेत्राधिकारी नानपारा चित्रांशु गौतम के पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक रुपईडीहा हरेंद्र कुमार मिश्र के नेतृत्व में पुलिस और एसएसबी की संयुक्त टीम ने 11 नवंबर को आईसीपी बाईपास मोड़ के पास जांच अभियान चलाया। इसी दौरान मुखबिर की सूचना पर टीम ने बच्चन खां पुत्र हमीद खां निवासी ग्राम निधि नगर पोखरा, थाना रुपईडीहा, उम्र करीब 50 वर्ष को दोपहर लगभग 2:30 बजे पकड़ लिया। तलाशी लेने पर उसके पास से 50 ग्राम अवैध स्मैक बरामद हुई। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर थाना रुपईडीहा में मुकदमा संख्या 311/2026 के तहत एनडीपीएस अधिनियम में मुकदमा दर्ज किया है।

रसमोद कुंज में श्रद्धा के साथ मना अन्नकूट महोत्सव

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। मां सरयू के पावन तट पर स्थित रसमोद कुंज में मंगलवार को अन्नकूट महोत्सव श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया। मंदिर के पीठाधीश्वर महंत राम प्रिया शरण गिरधारी जी महाराज के संयोजन में आयोजित महोत्सव में ठाकुर जी को विविध प्रकार के व्यंजनों का भोग अर्पित किया गया। विधि–विधान से पूजन और आरती के बाद श्रद्धालुओं में प्रसाद वितरित किया गया।इस अवसर पर मंदिर में विशेष सजावट की गई और ठाकुर जी का आकर्षक श्रृंगार किया गया। दर्शन–पूजन के लिए श्रद्धालुओं की उपस्थिति रही। भक्तों ने प्रसाद ग्रहण कर मंगलकामना की।महंत राम प्रिया शरण गिरधारी जी महाराज ने कहा कि अन्नकूट महोत्सव सनातन संस्कृति की प्राचीन परंपरा है। अन्न को भगवान का प्रसाद मानकर उसका सम्मान करना चाहिए।

शिक्षा दिवस के रूप में मनाया गया मौलाना अबुल कलाम आजाद की जयंती

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

रूधौली (बस्ती)। मुफस्सिर–ए–कुरआन, मुफक्कर– ए–इस्लाम, मुदब्बिर, शोधकर्ता, साहित्यकार, शायर–ए– इस्लाम, स्वतंत्रता सेनानी, इमाम–उल–हिंद, भारत रत्न और स्वतंत्र भारत के प्रथम शिक्षा मंत्री मौलाना अबुल कलाम आजाद की 138वीं जयंती पर जिले के विभिन्न स्कूलों व कॉलेजों में शिक्षा दिवस मनाया गया तथा उनकी धार्मिक, राष्ट्रीय, साहित्यिक व सामाजिक सेवाओं को स्वीकृति किया गया। मौलाना अबुल कलाम आजाद जूनियर हाई स्कूल कैंडिहवा, रुधौली, जिला बस्ती में वरिष्ठ शिक्षक मौलाना अब्दुल्लाह मजाहिरी की अध्यक्षता में विद्यालय के हॉल में शिक्षा



दिवस के भव्य समारोह का आयोजन हुआ। समारोह में वक्ताओं ने कहा कि मौलाना अबुल कलाम आजाद कुरआन के व्याख्याता के साथ–साथ एक बेहतरीन साहित्यकार, कवि, शोधकर्ता और दूरदर्शी राजनेता थे। उन्होंने देश को आजाद कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। जब वह ब्रिटिश साम्राज्यवाद के खिलाफ हिंदुस्तान में भाषण देते थे, तो ब्रिटेन तक हड़कंप मच जाता था। स्वतंत्रता संग्राम के दौरान उन्होंने कई बार जेल की यातनाएं सही। वह भारत विभाजन के सख्त खिलाफ थे, लेकिन देश का विभाजन हो गया जिससे उन्हें गहरा आघात पहुंचा। हिंदू–मुस्लिम एकता के समर्थक मौलाना आजाद कहते थे, हिंदू और मुस्लिम भारत की दो आंखें हैं, इसलिए दोनों का सुरक्षित रहना आवश्यक है। वक्ताओं ने कहा कि जब देश आजाद हुआ, तो मौलाना अबुल कलाम आजाद को देश के केंद्रीय शिक्षा मंत्री का पद सौंपा गया। शिक्षा मंत्री रहते हुए उन्होंने आधुनिक और तकनीकी शिक्षा के प्रसार व संवर्धन के लिए ऐसे अभूतपूर्व कार्य किए जिनकी रोशनी आज भी सूर्य की भांति चमकती दिखाई देती है।

सपा के लोग बहुरूपिये, अब जागी सनातन आस्था -ब्रजेश पाठक

संवाददाता–संतकबीरनगर। अयोध्या में बुधवार को समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के गुरुवार को प्रस्तावित दौरे को लेकर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री व स्वास्थ्य मंत्री ब्रजेश पाठक ने निशाना साधा। उन्होंने कहा कि सपा के लोग बहुरूपिये हैं और तुष्टीकरण की राजनीति करते हैं। अब कम से कम भगवान ने उन्हें अयोध्या आने की सद्बुद्धि दी है। उनके हृदय में सनातन धर्म के प्रति आस्था जागी है। उन्होंने आरोप लगाया कि सपा के शासनकाल में बड़ी संख्या में लोगों की जान गई और पूरी धरती खून से लाल हुई थी। अब वही लोग अयोध्या धाम को और सुंदर बनाने की बात कर रहे हैं।

बुधवार को जिला अस्पताल में स्वास्थ्य सुविधाओं की समीक्षा बैठक



के बाद पत्रकारों से बातचीत में उपमुख्यमंत्री ने कहा कि सपा के लोगों पर सौ–सौ चूहे खाकर बिल्ली हज को चली वाली कहावत सटीक बैठती है। उन्होंने आरोप लगाया कि सपा के शासनकाल में निहत्थे लोगों पर गोलियां चलवाई गईं। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि ये लोग कभी जालीदार टोपी पहनते हैं तो कभी रोजा इफ्तार में शामिल होते हैं।

कांग्रेस पर हमला बोलते हुए ब्रजेश पाठक ने सोनिया गांधी की पुस्तक का जिक्र किया। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस आपातकाल और बोफोर्स प्रकरण जैसे मुद्दों से ध्यान भटकाने के लिए दस्तावेजों के माध्यम से भ्रम फैलाने का प्रयास कर रही है। उनका दावा था कि संबंधित पुस्तक भारत में नहीं, बल्कि विदेश में लिखी गई है। उन्होंने कहा कि आपातकाल के दौरान लोगों पर अत्याचार किए गए और अब कांग्रेस अपने बचाव में तरह–तरह के दस्तावेज सामने ला रही है।

प्रदेश की कानून–व्यवस्था पर उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश गुंडों और माफियाओं से मुक्त हुआ है। कुछ लोग जेल से बाहर आने का सपना देख रहे हैं, लेकिन उन्हें जेल में ही रहना होगा। भाजपा सरकार में लोग दिन–रात बिना किसी भय के आवागमन कर सकते हैं। पहले सूर्यास्त के बाद लोग घरों से निकलने से भी डरते थे। उन्होंने भाजपा सरकार को भ्रष्टाचार मुक्त और भयमुक्त शासन देने वाली सरकार बताते हुए दावा किया कि वर्ष 2027 में उत्तर प्रदेश में भाजपा पूर्ण बहुमत के साथ फिर सरकार बनाएगी।

अखिलेश यादव के अयोध्या दौरे से पहले संत समाज की बैठक, कारसेवकों के परिजनों से माफी मांगने की मांग





संवाददाता–अयोध्या। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के 12 दिसंबर को प्रस्तावित अयोध्या दौरे से पहले संत समाज में हलचल तेज हो गई है। उनके आगमन को लेकर मणिरामदास छावनी में संत–महंतों की बड़ी बैठक शुरू हो गई है। बैठक में अयोध्या के प्रमुख संत–महंत शामिल होकर अखिलेश यादव के दौरे को लेकर अपना पक्ष रख रहे हैं। बैठक में संतों का कहना है कि अखिलेश यादव के अयोध्या आने, रामलला के दर्शन करने और सरयू में स्नान करने पर उन्हें कोई आपत्ति नहीं है। हालांकि, संतों ने उनके सामने एक शर्त रखी है। उनका कहना है कि अयोध्या आने से पहले अखिलेश यादव रामजन्मभूमि आंदोलन के दौरान शहीद हुए कारसेवकों के परिजनों से माफी मांगें। इसके बाद ही अयोध्या आकर दर्शन–पूजन करें।

संतों का कहना है कि रामजन्मभूमि आंदोलन से जुड़ी घटनाएं अयोध्या की धार्मिक और ऐतिहासिक स्मृतियों का हिस्सा हैं। ऐसे में अखिलेश यादव को कारसेवकों के बलिदान और उनके परिवारों की भावनाओं का सम्मान करते हुए अपना पक्ष स्पष्ट करना चाहिए। फिलहाल मणिरामदास छावनी में बैठक जारी है। संतों के रुख और बैठक में होने वाले निर्णय पर सबकी निगाहें टिकी हैं। इसके पहले, बुधवार को मीडिया को संबोधित करते हुए अखिलेश यादव ने 12 दिसंबर को अयोध्या जाने के सवाल पर कहा कि हम तो केदारेश्वर जाएंगे और वृंदावन भी जाएंगे। हमारे लिए पीडीए का मतलब पहले दर्शन और फिर आशीर्वाद है। उन्होंने कहा कि हमारे घर में पहले से ही शिव और रामगोपाल हैं। उनके अयोध्या जाने को लेकर भाजपा नेताओं की ओर से बयानबाजी तेज है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने सपा प्रमुख अखिलेश यादव के 12 दिसंबर को अयोध्या जाकर राम मंदिर में दर्शन करने के फैसले पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि यदि अखिलेश यादव का अयोध्या जाना राजनीतिक कदम नहीं, बल्कि सच्चा पश्चाताप है तो उन्हें 12 दिसंबर के बजाय 6 दिसंबर को अयोध्या जाना चाहिए और कारसेवकों की मौत के लिए माफी मांगनी चाहिए। पंकज चौधरी ने सोशल मीडिया पर कहा कि रामभक्तों की हत्या के लिए माफी मांगे बिना राम मंदिर जाने का कोई भी प्रयास राजनीतिक दिखावे से ज्यादा कुछ नहीं है। राममक्ति का स्वांग रचकर अखिलेश यादव अपने पुराने कृत्यों से बच नहीं सकते। उन्हें अपने अतीत और अपनी पार्टी के कार्यकाल में हुई घटनाओं का जवाब देना चाहिए।

भाजपा के यूपी प्रभारी विनोद तावड़े ने भी कांग्रेस पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी या उनके परिवार का कोई सदस्य अब तक अयोध्या में रामलला के दर्शन करने नहीं गया। उन्होंने कांग्रेस पर बाबरी मस्जिद के मुद्दे पर चुनिंदा तरीके से धार्मिक भावनाएं व्यक्त करने का आरोप लगाया।

बेटे के बाद सड़क हादसे में घायल पिता की भी मौत

संवाददाता–अम्बेडकरनगर। मंगलवार देर रात दो बाइकों की आमने–सामने भिड़ंत हो गई। हादसे में मौके पर तीन लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। जबकि घायल पिता की बुधवार को लखनऊ के ट्रामा सेंटर में इलाज के दौरान मौत हो गई। इससे मृतकों की संख्या चार हो गई है। इस हादसे से पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। हादसा जहांगीरगंज थाना क्षेत्र में सीएचसी के सामने हुआ। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, दो बाइकों की तेज रफ्तार के कारण सीधी टक्कर हो गई। इस भिड़ंत में जहांगीरगंज के बिशनपुर बसदहा निवासी राजकुमार (22), इसी गांव के संजय निषाद (25) और हंसवर के मकरही निवासी सौरभ (20) की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे में गंभीर रूप से घायल हुए रमेश निषाद (बिशनपुर निवासी) को इलाज के लिए लखनऊ ट्रामा सेंटर रेफर किया गया था। वहां बुधवार को उनकी भी मौत हो गई। बिशनपुर निवासी ओमप्रकाश (30) और जहांगीरगंज के सहरसा निवासी ओम प्रकाश (36) की हालत अभी भी गंभीर बनी हुई है और उनका इलाज चल रहा है। क्षेत्राधिकारी जितेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि सड़क हादसे में घायल रमेश निषाद की लखनऊ में इलाज के दौरान मौत हो गई है। अन्य घायलों का इलाज जारी है और पुलिस मामले की जांच कर रही है।

एसएसबी ने खाद और गेहूं का बीज पकड़ा



संवाददाता–सिद्धार्थनगर। 11 नवंबर 2026 को सिद्धार्थनगर की 43वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) की धनगढ़वा सीमा चौकी के जवानों ने एक व्यक्ति को पकड़ा। उसके पास से एक बोरी यूरिया खाद और 220 किलो गेहूं का बीज मिला। मौके पर दो मोटरसाइकिलें भी थीं।

एसएसबी के मुताबिक, सूचना के आधार पर जवान सीमा स्तंभ संख्या 546 के पास बनकसिया गांव के इलाके में गश्त कर रहे थे। इस दौरान दो लोग मोटरसाइकिलों पर सामान लादकर भारत की ओर से सीमा की तरफ आते दिखे।

जवानों को देखकर दोनों सामान छोड़कर भागने लगे। ज्यूटी पार्टी ने एक व्यक्ति को पकड़ लिया। पूछताछ में उसने अपना नाम कमलेश चौधरी, पिता सरवजीत चौधरी बताया। वह नेपाल के कपिलवस्तु जिले के हातीहवा थाना क्षेत्र के शिवालवा भंसर गांव का निवासी है।

मौके पर छोड़े गए सामान की तलाशी में एक बोरी यूरिया खाद और छह बोरियों में 220 किलो गेहूं का बीज मिला। पकड़े गए व्यक्ति और जब्त सामान को ककरहवा कस्टम विभाग को सौंप दिया गया।

एसएसबी ने बताया कि वह भारत–नेपाल सीमा पर तस्करी के सामान, मानव तस्करी, नशीली दवाओं, अवैध मुद्रा और वन्यजीवों व उनसे जुड़े उत्पादों को पकड़ने की कार्रवाई करती है। ऐसे मामलों में शामिल लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाती है।

एसडीएम और सीओ ने किया छठ घाट का निरीक्षण

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। शोहरतगढ़ में बुधवार को उप जिलाधिकारी रवीश गुप्ता और सीओ मयंक द्विवेदी ने छठ पूजा स्थल शिव बाबा पोखरे घाट का निरीक्षण किया। उनके साथ नगर पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि रवि अग्रवाल भी मौजूद रहे। एसडीएम ने मंदिर कमेटी और नगर पंचायत के लोगों से छठ पर्व की तैयारियों, पोखरे के पानी की सफाई और मुख्य रास्ते पर आने–जाने की व्यवस्था की जानकारी ली। उन्होंने जिम्मेदारों से पर्व शांतिपूर्ण ढंग से कराने में सहयोग करने को कहा। एसडीएम ने थाना प्रभारी निरीक्षक शेषमणि पांडेय से सुरक्षा व्यवस्था और पूजा के दिए आने–जाने वाले लोगों की सुविधा पर भी बात की। उन्होंने कहा कि पर्व के दिन लोगों को कोई परेशानी नहीं होनी चाहिए। रवि अग्रवाल ने बताया कि नगर पंचायत के आदर्श श्री बाबा पोखरा, गड़ाकुल समेत कई जगहों पर छठ के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु आते हैं। नगर पंचायत के कर्मचारी तैयारियों में लगे हैं और वेदियों का निर्माण लगभग पूरा हो चुका है। उन्होंने बताया कि सीसीटीवी, पोखरे में नाव और गोताखोरों की व्यवस्था के साथ रोशनी के काम भी किए जा रहे हैं। रवीश गुप्ता और मयंक द्विवेदी ने जिम्मेदारों से कहा कि पर्व से पहले सभी काम समय पर और व्यवस्थित तरीके से पूरे कर लें।

कार्यालय ग्राम पंचायत सुअरहा वि.ख. कुदरहा, बस्ती

अल्पकालिक निविदा वर्ष 2026–27

ग्राम पंचायत सुअरहा, वि.ख. कुदरहा में वीबी जी राम जी/रा०वि०आ०/15वां वित्त/ स्वच्छ भारत मिशन / सांसद / विधायक एवं अन्य योजनान्तर्गत वित्तीय वर्ष 2026–27 में स्वीकृत एवं कराये जाने वाले कार्यों हेतु सामग्री हेतु इच्छुक आपूर्तिकर्ता जो आयकर एवं व्यापारकर में पंजीकृत हो, फर्म जी.एस.टी. के अन्तर्गत रजिस्टर्ड हो, लोक निर्माण विभाग के मानक विशिष्टियों पर कार्यस्थल तक सीमेन्ट, भवन निर्माण के लिए ईंट, इण्टरलॉकिंग ईंट, सड़क निर्माण कार्य एवं नाली निर्माण कार्य में उपयोग की समस्त सामग्री, आंगनबाड़ी केन्द्र, भवन व पंचायत भवन, व्यक्तिगत शौचालय, सामुदायिक शौचालय निर्माण की सामग्री, कांटेजेंसी अन्तर्गत ऑफिस उपयोग की सामग्री, प्रशासनिक मद, पुस्तकालय, अन्त्येष्टि स्थल अन्तर्गत, खेल मैदान क्रय की जाने वाली सामग्री, एसओबी ईंट, सीमेन्ट, साधारण बालू, मोरंग, सरिया, सोलर लाइट, ह्यूम पाइप, बोर्ड, डस्टबिन, इण्डिया मार्का–2, हैण्डपम्प मरम्मत में प्रयुक्त पार्ट, टायल्स, दरवाजा, शौचालय सीट, फागिंग मशीन, ठेला, सेनिटाइजेशन सामग्री प्रचार प्रसार हेतु, वाल पेंटिंग, सफाई किट, मच्छर रोधी फागिंग किट सप्लाई आदि सामग्री हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रकाशन के समय से ही निविदा फार्म ग्राम पंचायत के कार्यालय से प्राप्त एवं जमा किया जा सकता है। दिनांक 12.11.2026 से 19.11.2026 समय 11 बजे तक निविदा फार्म मिलेगा और दिनांक 20.11.2026 को 2 बजे निविदा खोली जायेगी। आपूर्तिकर्ता प्रतिनिधि की उपस्थिति में ग्राम पंचायत कार्यालय में निविदा खोली जायेगी। नियम व शर्तें निविदा फार्म में वर्णित है एवं जीएसटी व अन्य कर सहित निविदा बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार ग्राम पंचायत के पास सुरक्षित रहेगा। धरोहर राशि मु०5000–00 (पांच हजार) होगी।

ग्राम प्रधान–इसमा देवी
ग्राम पंचायत–सुअरहा
वि.ख.–कुदरहा, बस्ती

सचिव–घनश्याम यादव
ग्राम पंचायत–सुअरहा
वि.ख.–कुदरहा, बस्ती

पत्रांक:– मेमो
दिनांक:–10.11.2026

कार्यालय ग्राम पंचायत बैड़ारी एहतमाली वि.ख. कुदरहा, बस्ती

अल्पकालिक निविदा वर्ष 2026–27

ग्राम पंचायत बैड़ारी एहतमाली, वि.ख. कुदरहा में वीबी जी राम जी/रा०वि०आ०/15वां वित्त/ स्वच्छ भारत मिशन / सांसद / विधायक एवं अन्य योजनान्तर्गत वित्तीय वर्ष 2026–27 में स्वीकृत एवं कराये जाने वाले कार्यों हेतु सामग्री हेतु इच्छुक आपूर्तिकर्ता जो आयकर एवं व्यापारकर में पंजीकृत हो, फर्म जी.एस.टी. के अन्तर्गत रजिस्टर्ड हो, लोक निर्माण विभाग के मानक विशिष्टियों पर कार्यस्थल तक सीमेन्ट, भवन निर्माण के लिए ईंट, इण्टरलॉकिंग ईंट, सड़क निर्माण कार्य एवं नाली निर्माण कार्य में उपयोग की समस्त सामग्री, आंगनबाड़ी केन्द्र, भवन व पंचायत भवन, व्यक्तिगत शौचालय, सामुदायिक शौचालय निर्माण की सामग्री, कांटेजेंसी अन्तर्गत ऑफिस उपयोग की सामग्री, प्रशासनिक मद, पुस्तकालय, अन्त्येष्टि स्थल अन्तर्गत, खेल मैदान क्रय की जाने वाली सामग्री, एसओबी ईंट, सीमेन्ट, साधारण बालू, मोरंग, सरिया, सोलर लाइट, ह्यूम पाइप, बोर्ड, डस्टबिन, इण्डिया मार्का–2, हैण्डपम्प मरम्मत में प्रयुक्त पार्ट, टायल्स, दरवाजा, शौचालय सीट, फागिंग मशीन, ठेला, सेनिटाइजेशन सामग्री प्रचार प्रसार हेतु, वाल पेंटिंग, सफाई किट, मच्छर रोधी फागिंग किट सप्लाई आदि सामग्री हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रकाशन के समय से ही निविदा फार्म ग्राम पंचायत के कार्यालय से प्राप्त एवं जमा किया जा सकता है। दिनांक 12.11.2026 से 18.11.2026 समय 11 बजे तक निविदा फार्म मिलेगा और दिनांक 19.11.2026 को 2 बजे निविदा खोली जायेगी। आपूर्तिकर्ता प्रतिनिधि की उपस्थिति में ग्राम पंचायत कार्यालय में निविदा खोली जायेगी। नियम व शर्तें निविदा फार्म में वर्णित है एवं जीएसटी व अन्य कर सहित निविदा बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार ग्राम पंचायत के पास सुरक्षित रहेगा। धरोहर राशि मु०5000–00 (पांच हजार) होगी।

ग्राम प्रधान–अशोक कुमार
ग्राम पंचायत–बैड़ारी एहतमाली
वि.ख.–कुदरहा, बस्ती

सचिव–कमलेश सिंह
ग्राम पंचायत–बैड़ारी एहतमाली
वि.ख.–कुदरहा, बस्ती

पत्रांक:– मेमो
दिनांक:–10.11.2026

कार्यालय ग्राम पंचायत मंगुरा वि.ख. कुदरहा, बस्ती

अल्पकालिक निविदा वर्ष 2026–27

ग्राम पंचायत मंगुरा, वि.ख. कुदरहा में वीबी जी राम जी/रा०वि०आ०/15वां वित्त/ स्वच्छ भारत मिशन / सांसद / विधायक एवं अन्य योजनान्तर्गत वित्तीय वर्ष 2026–27 में स्वीकृत एवं कराये जाने वाले कार्यों हेतु सामग्री हेतु इच्छुक आपूर्तिकर्ता जो आयकर एवं व्यापारकर में पंजीकृत हो, फर्म जी.एस.टी. के अन्तर्गत रजिस्टर्ड हो, लोक निर्माण विभाग के मानक विशिष्टियों पर कार्यस्थल तक सीमेन्ट, भवन निर्माण के लिए ईंट, इण्टरलॉकिंग ईंट, सड़क निर्माण कार्य एवं नाली निर्माण कार्य में उपयोग की समस्त सामग्री, आंगनबाड़ी केन्द्र, भवन व पंचायत भवन, व्यक्तिगत शौचालय, सामुदायिक शौचालय निर्माण की सामग्री, कांटेजेंसी अन्तर्गत ऑफिस उपयोग की सामग्री, प्रशासनिक मद, पुस्तकालय, अन्त्येष्टि स्थल अन्तर्गत, खेल मैदान क्रय की जाने वाली सामग्री, एसओबी ईंट, सीमेन्ट, साधारण बालू, मोरंग, सरिया, सोलर लाइट, ह्यूम पाइप, बोर्ड, डस्टबिन, इण्डिया मार्का–2, हैण्डपम्प मरम्मत में प्रयुक्त पार्ट, टायल्स, दरवाजा, शौचालय सीट, फागिंग मशीन, ठेला, सेनिटाइजेशन सामग्री प्रचार प्रसार हेतु, वाल पेंटिंग, सफाई किट, मच्छर रोधी फागिंग किट सप्लाई आदि सामग्री हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रकाशन के समय से ही निविदा फार्म ग्राम पंचायत के कार्यालय से प्राप्त एवं जमा किया जा सकता है। दिनांक 12.11.2026 से 19.11.2026 समय 11 बजे तक निविदा फार्म मिलेगा और दिनांक 20.11.2026 को 2 बजे निविदा खोली जायेगी। आपूर्तिकर्ता प्रतिनिधि की उपस्थिति में ग्राम पंचायत कार्यालय में निविदा खोली जायेगी। नियम व शर्तें निविदा फार्म में वर्णित है एवं जीएसटी व अन्य कर सहित निविदा बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार ग्राम पंचायत के पास सुरक्षित रहेगा। धरोहर राशि मु०5000–00 (पांच हजार) होगी।

ग्राम प्रधान–अन्जू कुमारी
ग्राम पंचायत–मंगुरा
वि.ख.–कुदरहा, बस्ती

सचिव–राकेश
ग्राम पंचायत–मंगुरा
वि.ख.–कुदरहा, बस्ती

पत्रांक:– मेमो
दिनांक:–10.11.2026

कार्यालय ग्राम पंचायत सिकन्दरपुर वि.ख. कुदरहा, बस्ती

अल्पकालिक निविदा वर्ष 2026–27

ग्राम पंचायत सिकन्दरपुर, वि.ख. कुदरहा में वीबी जी राम जी/रा०वि०आ०/15वां वित्त/ स्वच्छ भारत मिशन / सांसद / विधायक एवं अन्य योजनान्तर्गत वित्तीय वर्ष 2026–27 में स्वीकृत एवं कराये जाने वाले कार्यों हेतु सामग्री हेतु इच्छुक आपूर्तिकर्ता जो आयकर एवं व्यापारकर में पंजीकृत हो, फर्म जी.एस.टी. के अन्तर्गत रजिस्टर्ड हो, लोक निर्माण विभाग के मानक विशिष्टियों पर कार्यस्थल तक सीमेन्ट, भवन निर्माण के लिए ईंट, इण्टरलॉकिंग ईंट, सड़क निर्माण कार्य एवं नाली निर्माण कार्य में उपयोग की समस्त सामग्री, आंगनबाड़ी केन्द्र, भवन व पंचायत भवन, व्यक्तिगत शौचालय, सामुदायिक शौचालय निर्माण की सामग्री, कांटेजेंसी अन्तर्गत ऑफिस उपयोग की सामग्री, प्रशासनिक मद, पुस्तकालय, अन्त्येष्टि स्थल अन्तर्गत, खेल मैदान क्रय की जाने वाली सामग्री, एसओबी ईंट, सीमेन्ट, साधारण बालू, मोरंग, सरिया, सोलर लाइट, ह्यूम पाइप, बोर्ड, डस्टबिन, इण्डिया मार्का–2, हैण्डपम्प मरम्मत में प्रयुक्त पार्ट, टायल्स, दरवाजा, शौचालय सीट, फागिंग मशीन, ठेला, सेनिटाइजेशन सामग्री प्रचार प्रसार हेतु, वाल पेंटिंग, सफाई किट, मच्छर रोधी फागिंग किट सप्लाई आदि सामग्री हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रकाशन के समय से ही निविदा फार्म ग्राम पंचायत के कार्यालय से प्राप्त एवं जमा किया जा सकता है। दिनांक 12.11.2026 से 18.11.2026 समय 11 बजे तक निविदा फार्म मिलेगा और दिनांक 19.11.2026 को 2 बजे निविदा खोली जायेगी। आपूर्तिकर्ता प्रतिनिधि की उपस्थिति में ग्राम पंचायत कार्यालय में निविदा खोली जायेगी। नियम व शर्तें निविदा फार्म में वर्णित है एवं जीएसटी व अन्य कर सहित निविदा बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार ग्राम पंचायत के पास सुरक्षित रहेगा। धरोहर राशि मु०5000–00 (पांच हजार) होगी।

ग्राम प्रधान–छोटेलाल
ग्राम पंचायत–सिकन्दरपुर
वि.ख.–कुदरहा, बस्ती

सचिव–प्रकाश मोहन
ग्राम पंचायत–सिकन्दरपुर
वि.ख.–कुदरहा, बस्ती

पत्रांक:– मेमो
दिनांक:–10.11.2026

धान कूटने वाली मशीन में फंसा बाल, किशोरी की मौत

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। लोटन कोतवाली क्षेत्र के भुसौला अदाई गांव में बुधवार की सुबह धान कूटने के दौरान दर्दनाक हादसा हो गया। 13 वर्षीय किशोरी का बाल धान कूटने वाली मशीन में फंसने से वह गंभीर रूप से घायल हो गई। परिजन उसे जिला अस्पताल लेकर पहुंचे जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया।क्षेत्र के भुसौला अदाई गांव निवासी सोनू मिश्र बुधवार सुबह करीब सात बजे घर पर मशीन बुलाकर धान कुटवा रहे थे। इस दौरान उनकी बेटी सुयन्या मिश्रा (13) किसी काम से मशीन के पास पहुंच गई। बताया जा रहा है कि उसके बंधे हुए बाल अचानक खुलकर ट्रैक्टर में लगी पुल्ली में फंस गए।

इससे उसका सिर बुरी तरह जख्मी हो गया। परिजन तत्काल उसे अस्पताल ले गए लेकिन कुछ देर बाद ही उसने दम तोड़ दिया। किशोरी की मौत के बाद परिजन शव घर ले आए और दफना दिया। घटना को लेकर गांव में शोक का माहौल है। परिजनों का रो–रोकर हाल बेहाल है। थानाध्यक्ष प्रदीप कुमार सिंह ने बताया कि चौकीदार के माध्यम से घटना की सूचना मिली है। हालांकि अभी तक इस मामले में कोई तहरीर नहीं मिली है।

प्रतिमा विसर्जन से पहले नदी में नहाने उतरे दो युवक लापता



संवाददाता–सिद्धार्थनगर। मोहाना थाना क्षेत्र के कूड़ा नदी के मुजहना घाट पर बुधवार दोपहर प्रतिमा विसर्जन करने ग्रामीण पहुंचे थे। विसर्जन किया जाता इससे पहले तीन युवक नदी में नहाने उतर गए। इसमें से दो गहरे पानी में जाकर डूब गए जबकि एक बाहर हो गया। नदी में डूबे दोनों युवकों का पता नहीं चल सका है। सूचना पर पहुंची पुलिस के साथ स्थानीय गोताखोरों की मदद से तलाश कर रही है। मोहाना थाना क्षेत्र के बेल्टीकर गांव के टोला दयालपुर में मां लक्ष्मी की प्रतिमा स्थापित की गई थी। प्रतिमा विसर्जन करने ग्रामीण कूड़ा नदी के मुजहना घाट पर बुधवार को दिन करीब साढ़े ग्यारह बजे पहुंचे थे। प्रतिमा का विसर्जन करने से पहले तीन युवक नदी में नहाने उतर गए। एक युवक तो बाहर आ गया लेकिन दो गहरे पानी में चले गए और डूब गए। युवकों को डूबने से अफरा–तफरी मच गई। कुछ ग्रामीण जो तैरना जानते थे वह नदी में उतर कर डूबे गौतम (18) पुत्र हेमंत व आदित्य (19) पुत्र लखीचंद्र उर्फ बब्लू निवासी बेल्टीकर टोला दयालपुर की तलाश करने लगे।

इस बीच सूचना पाकर पुलिस टीम भी मौके पर पहुंच गई थी। ग्रामीणों की नदी के किनारे भारी भीड़ जमा रही। परिवार के लोग रोते–बिलखते रहे और सलामती की दुआ करते रहे। पुलिस ने एसडीआरएफ को बुलाया है जो शाम तक आ सकती है। थानाध्यक्ष मोहाना जितेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि डूबे युवकों की तलाश जारी है अभी तक सुराग नहीं मिल सका है।

दैनिक भारतीय बस्ती
संस्थापक सम्पादक स्व. दिनेश चन्द्र पाण्डेय
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि०. नया हाल 1–4 A लोहिया कामप्लेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

प्रबन्ध सम्पादक–**दिनेश सिंह**
संयुक्त सम्पादक–**प्रदीप चन्द्र पाण्डेय**
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय–
चतुर्मुखी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय–
आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच, कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय–
इलाहीबाग गोरखपुर।
मो0 9336715406, 8400925463
ई.मेल **bhartiyabasti@gmail.com**
dainikbhartiyabasti@gmail.com